mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-158 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
08 जून 2024 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

अमेरिका को ...

संक्षिप्त समाचार

थप्पड़ कांड पर कंगना बोलीं-पंजाब में फिर आतंकवाद बढ़ा

- एसजीपीसी ने कहा-वे जुबान से आतंकवाद बढ़ा रहीं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हिमाचल की मंडी सीट से बीजेपी की लोकसभा सांसद चुनी गईं एक्टर कंगना रनोट को थप्पड़ मारे जाने की घटना तूल पकड़ रही है। सीआईएसएफ की आरोपी लेडी कॉन्स्टेबल कुलविंदर कौर को सस्पेंड कर दिया गया है। कंगना को गुरुवार को चंड़ीगढ़ एयरपोर्ट पर कुलविंदर ने थप्पड़ मारा था। इस घटना के बाद कंगना ने कहा- मेरी चिंता है कि जो आतंकवाद पंजाब में बढ़ रहा है, उसे हम कैसे हैंडल करेंगे। इस मामले में किसान संगठन कुलविंदर के समर्थन में आ गए हैं। किसान नेता सरवण पंधेर ने आरोप लगाया कि कंगना का डोप टेस्ट होना चाहिए।

फरीदाबाद में पटरी से उतरे मालगाड़ी के 2 डिबे

- कोयला लेकर दिल्ली की तरफ जा रही थी

फरीदाबाद (एजेंसी)। हरियाणा के फरीदाबाद में शुक्रवार को आगरा-मथुरा की ओर से दिल्ली की तरफ जा रही मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। घटना सुबह पांच बजे के करीब ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन के पास हुई। इससे सवारी ट्रेनों के आवागमन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से क्यों उतरे, इसके कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है। रेलवे की टीमें डिब्बों को पटरी पर लाने का प्रयास कर रही हैं। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एसएचओ राजपाल ने बताया की घटना सुबह लगभग 5 बजे की है।

छत्तीसगढ़ में मॉब-लिंचिंग 2 युवकों की हो गई मौत

- मवेशी ले जाने पर 10-12 लड़कों ने पीछा किया फिर जमकर पीटा

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में दो युवकों की मॉब लिंचिंग में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात को आरंग थाना इलाके में 3 लोग ट्रक में मवेशी भरकर ले जा रहे थे। इसी दौरान 10 से 12 लड़कों ने उनका पीछा किया और फिर ट्रक को महानदी पुल पर घेर लिया। इसके बाद कई लड़कों ने ट्रक में सवार 3 लोगों की जमकर पिटाई कर दी।

इनमें से एक युवक की लाश महानदी में मिली वहीं एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। तीसरे युवक गंभीर रूप से घायल जिसका रायपुर के निजी अस्पताल में इलाज जारी है। फिलहाल दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के बाद मौत की असल वजह सामने आ पाएगी। जानकारी के मुताबिक, ये पूरी घटना शुक्रवार रात ढाई बजे के करीब की है। कुछ लड़कों को सूचना मिली कि एक ट्रक में मवेशी भरकर 3 लोग उसकी तस्करी कर रहे हैं।

अगले दस साल में विकास क्वालिटी ऑफ लाइफ लाएंगे

- मोदी बोले-हिंदुस्तान की राजनीति में एनडीए जितना सफल कोई नहीं
- पीएम मोदी ने कहा-एनडीए मतलब न्यू, डेवलप्ड, एस्पिरेशनल इंडिया

सबको गले लगाने में हमें हिचक नहीं, कुछ लोगों का काम चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार 7 जून को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के संसदीय दल के नेता चुन लिए गए। पुरानी संसद (संविधान सदन) के सेंट्रल हॉल में सुबह 11 बजे शुरू हुई मीटिंग में एनडीए के 13 दलों के नेता शामिल हुए। मोदी ने अपने 72 मिनट के भाषण में एनडीए की अहमियत, विकास, डेमोक्रेसी और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। पीएम ने कहा चाहे मैं गुजरात में रहा, आंध्र में चंद्रबाबू या नीतिश बाबू ने बिहार में सेवा की, सबके केंद्र में गरीब का कल्याण रहा। देश ने एनडीए के गरीब कल्याण के, गुड गवर्नेंस के 10 साल को देखा है। मैं कह सकता हूं कि देश ने इसे जिया है। एनडीए सरकार के रूप में अगले 10 साल में, मैं बहुत जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं। अगले 10 साल में विकास, क्वालिटी ऑफ लाइफ लाएंगे। जीवन में सरकार का दखल जितना कम हो, लोकतंत्र की उतनी मजबूती है।

सब मिलकर विकसित भारत के सपने को साकार करके रहेंगे

एनडीए और विस्तार से कहूं तो सदन में किसी भी दल का जनप्रतिनिधि होगा, मेरे लिए सब बराबर है। जब मैं सबका प्रयास की बात करता हूं तो सदन में भी हमारे लिए सब बराबर हैं। यह भी एक कारण है जिस वजह से एनडीए 30 साल में आगे बढ़ा है। सबको गले लगाने में हमें कोई हिचक नहीं है। ग्रास रूट लेवल तक सबने मिलकर जो काम किया है, उसी ने हमें ऑर्गेनिक अलायंस के तौर पर विकसित किया है। जहां कम, वहां हम- इसे हर कार्यकर्ता ने जीकर दिखाया है। भारत के हर क्षेत्र का, भारत के हर नागरिक का जो एस्पिरेशन है, देश और रीजनल एस्पिरेशन का अटूट नाता होना चाहिए।

राष्ट्रपति ने मोदी को दिया नई सरकार बनाने का न्योता

9 जून को शपथ ग्रहण

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के बाद अब सरकार बनाने की कवायद चल रही है। इसी क्रम में संसद भवन में एनडीए संसदीय दल की बैठक हुई। इस बैठक में एनडीए के तमाम घटक दल के नेता शामिल हुए और राजनाथ सिंह की ओर से पीएम मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता नामित करने के प्रस्ताव का समर्थन किया गया। इस निर्णय के बाद एनडीए की ओर से सरकार बनाने का दावा पेश किया। एनडीए की तरफ से नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने मोदी को सरकार बनाने का न्योता दिया।

बाजार में बहार सेंसेक्स 2 फीसदी से ज्यादा उछला

- रिकॉर्ड 76,795 पर पहुंचा, लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले के स्तर को पार किया, निफ्टी 23,290 पर बंद

मुंबई (एजेंसी)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी, 7 जून को बाजार ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। दिन के कारोबार में सेंसेक्स 76,795 के स्तर पर पहुंचा। हालांकि, बाजार बंद होने पर सेंसेक्स 1,618 अंक की बढ़त के साथ 76,693 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी कारोबार के दौरान करीब 500 अंकों की बढ़त देखने को मिली और ये 23,320 के स्तर पर पहुंचा।

बाद में बाजार बंद होने पर निफ्टी 468 अंक की बढ़त के साथ 23,290 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में तेजी है। आज सबसे ज्यादा तेजी आईटी और ऑटो शेयरों में है। एम एन्ड एम का शेयर सबसे ज्यादा 6 फीसदी चढ़ा है। वहीं आईटी कंपनी विप्रो और टेक महिंद्रा में करीब 5 फीसदी की तेजी है। टाटा स्टील, इंफोसिस और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 4 फीसदी से ज्यादा चढ़े हैं। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। वहीं महंगाई अनुमान को 4.5 फीसदी पर बरकरार रखा है।

पंजाब में भाजपा साफ, लेकिन वोट शेयर ने सबको चौंकाया

- तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी, पूर्व आईएएस समेत 4 उम्मीदवारों की जमानत जब्त

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में इस बार लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी चाहे एक भी सीट नहीं जीत पाई, लेकिन 18.56 फीसदी वोट शेयर हासिल कर क्षेत्रीय पार्टी शिरोमणि अकाली दल से भी बड़ी पार्टी बन कर उभरी है। ये पहला चुनाव है जब दोनों पार्टियां अलग-अलग लोकसभा चुनाव लड़ी हैं। वहीं, कांग्रेस पार्टी ने इंडी गठबंधन की साथी आम आदमी पार्टी से 0.28 फीसदी अधिक वोट शेयर हासिल किया। कांग्रेस 7 तो आम आदमी पार्टी 3 सीटें जीत पाई। अकाली दल ने इस चुनाव में 13.42 फीसदी वोट हासिल किए हैं यानी 18 लाख 8 हजार 837 वोट कास्ट हुए। पार्टी सिर्फ बठिंडा सीट पर ही जीत हासिल कर सकी है।

नतीजे सबके सामने, ईवीएम को आराम करने दीजिए

- सीईसी बोले-वह अगले चुनाव में उठेगी, उसकी बैटरी-पेपर बदलेंगे, फिर गाली खाएगी और अच्छे रिजल्ट लाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त - ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू गुरुवार 6 जून को महात्मा गांधी के समाधि-स्थल राजघाट पहुंचे। यहां तीनों ने महात्मा गांधी को फूल अर्पित किए। यहां पर सीईसी ने कहा कि देश में 16 मार्च को चुनावों के ऐलान के साथ जो आचार संहिता लागू हुई थी, वह खत्म हो गई है। ईवीएम को लेकर राजीव कुमार ने कहा कि अब नतीजे सबके सामने हैं। अगले चुनाव तक ईवीएम को आराम करने दीजिए। अगले चुनाव में वह फिर उठेगी, फिर उसकी बैटरी बदली जाएगी, उसके पेपर्स बदले जाएंगे, फिर वह गाली खाएगी और वह अपने रिजल्ट अच्छे से दिखाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले 20-22 साल से ऐसा ही हो रहा है। सरकार बदलती जाती है, केंद्र से लेकर राज्यों तक। शायद जब ईवीएम का जन्म हुआ था, तब मुहूर्त ठीक नहीं था।

फूलों का गुलदस्ता लेकर अभिवादन करने पहुंचे योगी

पीएम मोदी ने कंधे पर जोर से थपथपा कर दिया बड़ा संदेश

लखनऊ (एजेंसी)। संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एनडीए संसदीय दल की बैठक में राजनाथ सिंह ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के नाम का प्रस्ताव पेश किया। 9 जून को मोदी पीएम पद की शपथ ले सकते हैं। इस दौरान मोदी और योगी की मुलाकात पर सबकी नजर रही। जैसे ही फूलों का गुलदस्ता लेकर योगी पहुंचे, मोदी ने अभिवादन स्वीकार करते हुए दो बार योगी के कंधे पर जोर से थपकी दी। इसके बाद योगी ने दोनों हाथ जोड़कर नमस्? किया। सोशल मीडिया पर मोदी और योगी के मुलाकात का वीडियो शेयर कर यूजर्स तमाम तरह की बातें कर रहे हैं।

बड़ा दावा...

ऑपरेशन ब्लूस्टार की साजिश में शामिल थीं ब्रिटिश पीएम

- लेबर पार्टी बोली-सा में आए तो थैचर सरकार की भूमिका की जांच कराएंगे

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में 4 जुलाई को आम चुनाव होंगे। कई सर्वे में ये अनुमान लगाया गया है कि इस बार ब्रिटेन में लेबर पार्टी सरकार बना सकती है। इस बीच लेबर पार्टी ने घोषणा की है कि अगर इस चुनाव में उनकी जीत होती है तो सरकार बनाने के बाद वे 1984 में भारत में हुए ऑपरेशन ब्लू स्टार में ब्रिटिश सरकार की भूमिका की जांच कराएंगे। लेबर पार्टी की नेता एंजेला रेनॉर ने ब्रिटिश मीडिया से कहा कि ऑपरेशन ब्लूस्टार की 40 साल पूरे हो चुके हैं। हमारी पार्टी सिख समुदाय के साथ खड़ी है। हम उनकी मांग के मुताबिक लेबर पार्टी की सरकार बनने पर सच का पता लगाने की पूरी कोशिश करेंगे। कोवेंट्री साउथ से लेबर उम्मीदवार जारा सुल्ताना ने दावा किया कि ऑपरेशन ब्लू स्टार घटना में ब्रिटेन की तत्कालीन पीएम रहीं मार्गरेट थैचर की भूमिका को हम सबसे छुपाया गया है। स्लाव से लेबर उम्मीदवार तनमनजीत सिंह धेसी ने पोस्ट कर लिखा कि इंदिरा गांधी ने स्वर्ण मंदिर परिसर पर हमला करने की अनुमति दी थी। अब तक इस घटना के पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाया है। न ही ब्रिटिश सरकार ने इस घटना में तत्कालीन पीएम रहीं मार्गरेट थैचर की भूमिका की कोई जांच की है। धतनमनजीत सिंह ब्रिटिश संसद में पगड़ी पहनने वाले पहले सांसद थे। ये पहली बार नहीं है जब लेबर पार्टी के नेताओं ने ऑपरेशन ब्लू स्टार में थैचर सरकार की भूमिका की जांच की मांग की है। वे पिछले 10 सालों से ये मांग कर रहे हैं। दरअसल, 2014 में ऑपरेशन ब्लूस्टार घटना के 30 साल पूरे होने पर एक रिपोर्ट आई थी। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पर हुई भारतीय सेना की कार्रवाई में ब्रिटिश स्पेशल एयर सर्विस ने मदद की थी। कमांडर ने इंदिरा गांधी सरकार को स्वर्ण मंदिर में छुपे खालिस्तानियों को मारने की सलाह दी थी।

गोपाल राय बोले-

कांग्रेस-एएपी गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव तक था

- विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेंगे; भाजपा बोली-यह मतलब की दोस्ती थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस के साथ आई आम आदमी पार्टी अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले लड़ेगी। पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने गुरुवार को ऐलान किया कि कांग्रेस के साथ गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। विधानसभा चुनाव में हम अकेले मैदान में उतरेंगे। दरअसल, गुरुवार शाम को सीएम हाउस पर पार्टी के दिल्ली के सभी विधायकों और नेताओं की बैठक बुलाई गई। इसमें लोकसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा की गई। इसके बाद राय ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा- यह पहले दिन से स्पष्ट है कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए था।

राजस्थान में आंधी का अलर्ट, एमपी-यूपी में हीटवेव

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी भारत में अभी गर्मी से छुटकारा नहीं मिल रहा है। मौसम विभाग ने आज उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और झारखंड में कई स्थानों में हीटवेव (लू) चलने का अनुमान जताया है। राजस्थान में धूलभरी आंधी चलने का अलर्ट है। वहीं बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल में उमस रहेगी। उधर, 6 जून को मानसून महाराष्ट्र में दाखिल हो गया। आज रत्नागिरी और सोलापुर में बारिश हो सकती है। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में अगले 4 दिन तक बारिश होने की संभावना है। मानसून देश के दक्षिणी भाग को पहले ही कवर कर चुका है। भारी बारिश के चलते तमिलनाडु के कई इलाकों में पानी भर गया है। पूर्वोत्तर राज्यों में भी मानसूनी बारिश हो रही है। राजस्थान में गुरुवार शाम से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो गया। बीती रात जयपुर, सीकर समेत कई शहरों में धूलभरी आंधी चली। 65 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चलीं। इससे कई जगह पेड़, ट्रांसफार्मर के खंभे, टीनशेड और होर्डिंग बोर्ड गिर गए। इसके साथ ही कुछ जगहों पर हल्की बारिश भी हुई। मौसम में हुए इस बदलाव के चलते हनुमानगढ़ में कल तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने आज भी 25 जिलों में तेज अंधड़ चलने, बारिश और ओलावृष्टि का येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यूपी में आज मिला-जुला मौसम रहेगा। 23 जिलों में आंधी-बारिश और 17 जिलों में लू का अलर्ट है। कल से अगले 3 दिन भीषण गर्मी पड़ेगी। तापमान 48 डिग्री तक पहुंचेगा। गर्मी के साथ ही उमस भी सताएगी।

महाराष्ट्र पहुंचा मानसून, बारिश से तमिलनाडु के कई इलाकों में पानी भरा

संक्षिप्त समाचार

भोजन का सम्मान करें एवं इसे बर्बाद होने से बचाएँ -खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि सुरक्षित आहार, स्वस्थ जीवन का आधार है। हम सभी को भोजन प्रकृति से प्राप्त होता है, इसलिए भोजन का सम्मान करें एवं इसे बर्बाद होने से बचाएँ। श्री राजपूत ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर भोजन उपजाने वाले अन्नदाता किसानों को नमन करते हुए देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं।

बिजली कंपनी के आस्था परिसर में योग शिविर 8 जून से

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के बिजली नगर कालोनी स्थित आस्था परिसर में शनिवार 8 जून से 22 जून 2024 तक योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह योग शिविर विशेष प्रशिक्षकों की देखरेख में प्रात: 6 बजे से 7 बजे तक होगा। योग शिविर नि:शुल्क है। इसमें कोई भी व्यक्ति शामिल होकर योग क्रियाओं की जानकारी हासिल करके योगाभ्यास के द्वारा स्वास्थ्य लाभ ले सकता है।

भोपाल में आर्ट ऑफ लिविंग का शिविर 11 जून को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर के जन्मदिन के उपलक्ष्य में संस्था 11 जून को गौरव ग्रीन गार्डन बावड़िया कलां में हैप्पीनेस प्रोग्राम का आयोजन कर रही है। जिसमें स्वथ्य रहने और मन शांत रखने की विद्या योग, प्राणायाम, ध्यान एवं लयबद्ध तरीके से सांस लेने की तकनीक सुदर्शन क्रिया सिखाई जाएगी। संस्था के सदस्यों ने बताया कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए यह शिविर लगाया जा रहा है। इसमें योग सीखकर लोग अपने भीतर की क्षमताओं को जान सकेंगे और खुश रहना सीख सकेंगे। शिविर में पहुंचने के लिए 11 जून की सुबह 6 बजे तक चेतक काम्प्लेक्स स्थित संस्था के कार्यालय जाकर रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है।

सीनियर सिटीजन के रेलवे रियायत सुविधा बहाली की मांग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सर्वहारा जनाधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण वर्मा, राजनीतिक सलाहकार जगदीश राउत एवं महासचिव अवधेश कुमार ने बताया कि पूरे देश में आजादी के समय से सीनियर सिटीजनों को रेलवे रियायती यात्रा सुविधा दी जा रही थी, जिसे कोरोना काल में बन्द कर दिया गया। जिसकी वजह से पूरे देश के सीनियर सिटीजनों को किसी भी प्रकार की बीमारी के इलाज के लिए या अन्य महत्वपूर्ण कार्य के लिए रेल से यात्रा करने में बड़ी कठिनाई एवं परेशानी का सामना करना पड़ता है, जो कि किसी भी दृष्टि से न्यायसंगत नही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण वर्मा, सलाहकर जगदीश राउत, महासचिव अवधेश कुमार ने भारत सरकार से अनुरोध किया है कि पूरे देश में सीनियर सिटीजनों के लिए रेलवे रियायती यात्रा सुविधा बहाल की जाए। उक्त मांग का समर्थन एवं अनुरोध करने वालों में अजय कुमार रावत, अनिल सिंह, सुरेश वर्मा, सतवंत रावत, पूरन सिंह, विपिन सिंह, प्रभाकर दगडू, ए के ब्योहार, पी एल शर्मा, एस एल वर्मा, पी सी जैन, आर के खरे, महेश शर्मा, वही एम वर्गिस, शकुंतला वर्मा, वीणा जोशी, वही के शुक्ला, एस के सिकरवार, नीलेश अस्वार, अजय कुमार, विजय प्रसाद, विजय कुमार वर्मा, राम भजन काकू, राम खेलावन वर्मा शामिल रहे।

बरखेड़ी कलां भोपाल में संगीतमय देवनारायण कथा महोत्सव का समापन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नीलबड़ रोड स्थित बरखेड़ी कलां भदभदा रोड पर सात दिवसीय रात्रिकालीन संगीतमय श्री देव नारायण कथा महोत्सव का शुक्रवार को समापन हो रहा है। कथा के दौरान गुरुवार को भगवान देव नारायण की बारात निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और डीजे की धुन पर जमकर नाचे। कथावाचक सांवरिया गुर्जर ने कथा सुनाई। गांव में चल रहे देव नारायण उत्सव में बड़ी संख्या में नीलबड़-रातीबड़ सहित आसपास के ग्रामीण शामिल हो रहे हैं। कथा वाचक ने भगवान के द्वारा युद्ध, उनके विवाह सहित अन्य कथाएं सुनाईं। ये कथा का छठवां दिन था। शुक्रवार को कथा का समापन होगा। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कई गांवों के लोग शामिल होंगे। भगवान देव नारायण श्रीहरि विष्णु के अवतार माने जाते हैं। गुर्जर समाज उन्हें दक्षिण-पश्चिमी मध्य प्रदेश और राजस्थान में अपने लोकदेवता के रूप में पूजता है। ऐसी कई किवदंतियां हैं जिनमें कहा गया है कि उन्होंने लोगों के कष्टों का निवारण करने के लिए कई युद्ध लड़े और कड़े फैसले लिए। देव नारायण महागाथा में बगडावतों और राण भिणाय के शासक के बीच युद्ध का रोचक वर्णन मिलता है।

महुआ महोत्सव जनजातीय संस्कृति, कला और व्यंजनों से परिचित कराने का प्रयास- मंत्री शाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनजातीय जीवन, देशज ज्ञान परम्परा और सौन्दर्यबोध एकाग्र मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की स्थापना के ग्यारहवें वर्षगाँठ समारोह का 'महुआ महोत्सव' के रूप में शुभारंभ हुआ। मंत्री श्री शाह ने कहा कि %महुआ महोत्सव% जनजातीय संस्कृति, कला और व्यंजनों से परिचित कराने का प्रयास है। जनजातियों के सामाजिक जीवन-शैली और अनुभव को वास्तविक बनाने के लिए बड़े बड़े आर्किटेक्ट के बजाय जनजातीय कलाकारों ने संग्रहालय स्वयं अपने हाथों से बनाया गया है। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने दीप प्रज्जवलित कर 5 दिवसीय महोत्सव का मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में शुभारंभ किया। मंत्री श्री शाह ने प्रदेश और देश के संस्कृति प्रेमियों और पर्यटकों को जनजातीय संग्रहालय आने के लिए आमन्त्रित किया। मंत्री श्री शाह ने संग्रहालय में नव-निर्मित जनजातीय आवास एवं लौह शिल्प का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर संचालक, संस्कृति संचालनालय श्री एन पी नामदेव एवं निदेशक, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी डॉ. धर्मेंद्र पारे, जनजातीय संग्रहालय संग्रहाध्यक्ष श्री अशोक मिश्र एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इसके पहले महोत्सव में दोपहर 2 बजे से शिल्प एवं व्यंजन मेला, बच्चों के लिए कठपुतली प्रदर्शन एवं जनजातीय नृत्यों की प्रस्तुतियाँ संयोजित की गई। जनजातीय समुदाय की जीवन शैली को समझने और उसे करीब से देखने के लिए प्रदेश की प्रमुख जनजातियों गोण्ड, भील, बैगा, कोरकू, भारिया, सहरिया और कोल के सात आवास बनाए गए हैं। इन घरों में जनजातियों के परिवार रहेंगे

केन्द्रीय संयुक्त सचिव श्री सत्यार्थी ने किया सायबर तहसील का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्रीय संयुक्त सचिव भूमि संसाधन श्री कुणाल सत्यार्थी ने आज नई दिल्ली से भोपाल पहुँचकर प्रमुख राजस्व आयुक्त कार्यालय स्थित सायबर तहसील व्यवस्था का निरीक्षण किया। प्रमुख राजस्व आयुक्त श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव ने मध्यप्रदेश में राजस्व विभाग द्वारा प्रारंभ की गई सायबर तहसील व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने विभाग द्वारा शुरू किये गये आईटी इनिशियेटिव की जानकारी भी दी। केन्द्रीय संयुक्त सचिव श्री सत्यार्थी ने सायबर तहसील प्रक्रिया आरसीएमएस सहित राजस्व विभाग के अन्य पोर्टल भू-अभिलेख, सारा एप पर प्रदान

की जा रही सेवाओं का अवलोकन किया। श्री सत्यार्थी ने मध्यप्रदेश के सायबर तहसील प्रोजेक्ट की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छा इनिशियेटिव है। राजस्व आयुक्त कार्यालय में सायबर तहसील का अवलोकन करने के बाद केन्द्रीय संयुक्त सचिव श्री सत्यार्थी ने शाहगंज पहुँचकर डिजिटाइजेशन प्रोजेक्ट के तहत नगरीय सर्वे के पायलट प्रोजेक्ट के रूप में व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

एडिशनल प्रोजेक्ट डायरेक्टर एमपीएसईडीसी श्री संदीप गोयल, सहायक राजस्व आयुक्त सुश्री अपूर्वा दुबे, सहायक संचालक राजस्व सुश्री वंशिका इंगले, सुश्री सुरभि जैन और श्री कविराज मेहरा उपस्थित थे।

बैतूल में एक अरब 37 करोड़ की शास्ति एवं एक करोड़ 25 लाख मूल्य की पोकलेन/जेसीबी राजसात

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के रेत माफियाओं के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देशों के अनुरूप बैतूल में कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशन मे खनिज, राजस्व तथा पुलिस विभाग द्वारा विगत दिनों रेत माफियाओ के विरूद्ध कार्यवाही कर अनेक खनिज प्रकरण दर्ज कर आपराधिक प्रकरण भी दर्ज करवाए गए हैं। रेत माफियाओं के विरूद्ध दर्ज खनिज प्रकरण में शीघ्रता से सुनवाई कर अपर कलेक्टर बैतूल ने रेत माफियाओं के प्रकरणों का निराकरण कर 5 जून 2024 को मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के नियम 18 (6) के तहत कुल चार प्रकरणों में एक अरब 37 करोड़ की शास्ति एवं नियम 22 के तहत एक करोड़ 25 लाख मूल्य की 02 पोकलेन और एक जेसीबी राजसात करने की कार्यवाही की है। अपर कलेक्टर द्वारा पारित निर्णय अनुसार यदि रेत माफियाओं द्वारा अधिरोपित शास्ति 07 दिवस में जमा नहीं की जाती है, तो मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 के प्रावधान के तहत रेत माफियाओं की चल अचल संपत्ति कुर्क कर बकाया भू-राजस्व की भांति आरोपित शास्ति की वसूली की जाएगी। शाहपुर निवासी अंकुर उर्फ रिंकू राठौर और अरशद कुरैशी को ग्राम गुरगुन्दा में 70808 घनमीटर के अवैध उत्खनन पर अधिरोपित राशि 53 करोड़ 10 लाख 60 हजार रूपये एवं पोकलेन राजसात मूल्य लगभग 60 लाख रुपये की राशि अधिरोपित की है। अंकुर उर्फ रिंकू राठौर और अरशद कुरैशी के विरुद्ध ग्राम डेन्डूपुरा में 110,610 घनमीटर के अवैध उत्खनन पर 82 करोड़ 95 लाख 75 हजार एवं जेसीबी राजसात मूल्य लगभग 25 लाख रुपये, अंकुर उर्फ रिंकू राठौर, अरशद कुरैशी और साबू के विरुद्ध शाहपुर ग्राम डेन्डुपुरा में 700 घनमीटर के अवैध अवैध उत्खनन पर 18 लाख 90 हजार रुपये एवं पोकलेन हिटैची राजसात मूल्य लगभग 40 लाख रुपये की शास्ति अधिरोपित की गयी है।

शोध एवं अनुसंधान पर विशेष ध्यान दें विश्वविद्यालय-उच्च शिक्षा मंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में गुरुवार को मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में राज्य उच्च शिक्षा परिषद की आठवीं बैठक हुई। इस बैठक में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-ऊषा) के विभिन्न घटकों के लिए कुल 565 करोड़ रुपए (केंद्रांश 339 करोड़ एवं राज्यांश 226 करोड़) का अनुमोदन हुआ है। भारत सरकार के मानदंडों के अनुरूप परिषद के बेहतर क्रियान्वयन और प्रभावकारी बनाने के लिए एक समिति बनाने का निर्णय लिया गया है। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि राज्य उच्च शिक्षा परिषद की नियमित बैठक की जाएं और भारत सरकार के मानदंडों के अनुरूप व्यापक विचार मंथन कर परिषद की व्यापकता सुनिश्चित की

जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन में परिषद के पारदर्शी निर्णयों से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर क्रियान्वयन हो। प्रदेश की उच्च शिक्षा के विकास में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-ऊषा), मील का पत्थर है। उत्कृष्टता और सुदृढ़ीकरण के लिए भारत सरकार और राज्य सरकार के प्रयास से प्रदेश में सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि कर युवाओं को शिक्षा में अवसर प्रदान करने का मजबूत प्रयास है। श्री परमार ने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालय पीएम- ऊषा के अंतर्गत शोध एवं अनुसंधान पर विशेष ध्यान दें और इसके लिए प्राप्त राशि में से अधिकतम राशि निर्धारित अनुपात में आवंटित की जाए। पीएम- ऊषा अंतर्गत प्रयोगशाला जैसे विकसित संसाधनों का अन्य विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के विद्यार्थियों द्वारा साथ साझा उपयोग किया जाना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पीएम- ऊषा परियोजना अंतर्गत कार्यों को विभागीय समन्वय के साथ तय समय सीमा पर पूरा करने और गुणवत्ता सुधार हेतु परियोजना संचालनालय को आवश्यक सहयोग करने के निर्देश भी दिए।

श्री परमार ने कहा कि शिक्षा सिर्फ सरकार की ही नहीं, समाज की भी जिम्मेदारी है। इसके लिए जनसहभागिता और संस्थान से शिक्षण प्राप्त करने वाले पूर्व विद्यार्थियों को भी जोड़कर सार्थक सहभागिता करने के लिए प्रेरित करें। इस बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री के.सी. गुप्ता, सचिव तकनीकी शिक्षा डॉ. संजय गोयल, आयुक्त उच्च शिक्षा श्री निशांत बरबड़े विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरु सहित परिषद के सदस्यगण उपस्थित रहे।

भोपाल सहित अन्य शहरों में स्मार्ट मीटर स्थापना की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि केन्द्र सरकार की आर.डी.एस.एस. योजना में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र में अब स्मार्ट मीटर लगने जा रहे हैं। कंपनी द्वारा कुल 41 लाख 35 हजार 791 स्मार्ट मीटर स्थापना के कार्य स्वीकृत हुए हैं। इसके तहत कंपनी क्षेत्र में समस्त वितरण-ट्रांसफार्मरों (कृषि श्रेणी को छोडकर) एवं कृषि श्रेणी के अलावा समस्त उपभोक्ताओं के मीटर, स्मार्ट मीटरों से बदले जाने हैं। स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट के पार्ट-1 में कुल 9 लाख 77 हजार 48 विद्युत-उपभोक्ताओं (जिसमें समस्त उच्चदाब उपभोक्ता, औद्योगिक उपभोक्ता एवं ब्लाक-स्तर व ऊपर के शासकीय कार्यालय सम्मिलित हैं), 9 हजार 477 विद्युत उपकेन्द्र, फीडरों एवं 1 लाख 55 हजार 515 वितरण ट्रांसफार्मरों पर स्मार्ट मीटर स्थापित किए जाने हैं। विद्युत उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर स्थापना का यह कार्य प्रमुख रूप से भोपाल, सीहोर, विदिशा, नर्मदापुरम, ग्वालियर, दतिया, भिण्ड, मुरैना, गुना एवं शिवपुरी जिलों में किया जाना है। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत भोपाल (शहर) वृत्त से की जा रही है, जहां पर कुल 2 लाख 08 हजार 128 स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। एएमआईपीएस द्वारा 13 अक्टूबर 2024 तक कम से कम 57 हजार 102 स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। इसके बाद हर माह कम से कम 54 हजार 247 स्मार्ट मीटर लगाकर 13 जून 2026 तक 11 लाख 42 हजार 40 स्मार्ट मीटर लगाये जाना है। स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट के तहत सर्वप्रथम 11 के.व्ही. फीडर वार कंज्यूमर-इंडेक्सिगं कार्य किया जाएगा] जिसके तहत सर्वेक्षकों द्वारा प्रत्येक वितरण-ट्रांसफार्मर एवं उससे जुडे विद्युत कनेक्शनों का समस्त विवरण मोबाईल-एप पर एकत्र किया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मंत्री पटेल ने किया पौध-रोपण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश में जल स्त्रोतों तथा नदी, तालाबों, कुओं, बावड़ियों तथा अन्य जल स्त्रोतो के जल संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिये 16 जून तक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। हम अपने पुरखों के अनुभव और उनके दूरदर्शी विचारों पर गौर करें। गंगा दशहरा के पहले किसान बंधु मेढ़ बंधान एवं खेती किसानी के लिये जो आवश्यक तैयारियां करना है वो पहले कर लेते हैं। क्योंकि उन्हें मालूम है कि बरसात आयेगी, तब हम कुछ नहीं कर पायेगें। यह हमारे पुरखों- बुजुर्गों की सोच थी। हमें भी अपनी भावी पीढ़ी के बारे में सोचना होगा। यह बात आज पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए चलाये जा रहे जल-गंगा संवर्धन अभियान के दूसरे दिन ग्राम पंचायत बाबरिया में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मंत्री श्री पटेल ने सींगरी नदी के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आप सींगरी नदी के भविष्य को देखें। पहले सींगरी नदी का स्वरूप कैसा था और आज सींगरी नदी की हालत क्या हैं।हम सींगरी को संरक्षित करके रखते तो आज वह बारहमासी होती। पांच नदियां करेली के पहले मिलती हैं, पर एक बूंद पानी भी नर्मदा नदी के भीतर नहीं जाता। इससे ज्यादा कोई दूसरा प्रमाण नहीं हो सकता। हम दिन- रात जिस तरीक़े से प्रकृति का दोहन कर रहे हैं, यह हम सबके लिए खतरनाक है। यदि हम अच्छा काम करेंगे, तो उसका लाभ हमारे बच्चों को मिलेगा।

अच्छे मानव संसाधन के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका-प्रमुख सचिव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ई.एम.आर.एस.) भोपाल में गुरुवार को जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित ईएमआरएस के बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा और प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के 26 जिलों के 40 प्राचार्य और 80 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (आर.आई.ई) के विषय विशेषज्ञों और पिरामल फाउंडेशन के सदस्यों ने प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य डॉ. ई. रमेश कुमार ने कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र का निर्माण ईंट-सीमेंट से नहीं बल्कि मानव संसाधन से होता है एवं अच्छे मानव संसाधन के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विभागीय विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना विभाग की प्राथमिकता है। इसके लिए प्राचार्यों और शिक्षकों में टीम बिल्डिंग और टीम वर्क बहुत जरूरी है। साथ ही टीम में काम का विभाजन भी जरूरी है ताकि प्रोडक्टिव रिजल्ट प्राप्त किए जा सकें। हमारा

उद्देश्य होना चाहिए कि जनजातीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ खेल आदि गतिविधियों से उनका सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास भी हो।

इन विद्यार्थियों के करियर बनाने में भी हमारी भूमिका होनी चाहिए। हमें पढ़ाई और करियर विकल्पों के बीच ब्रिज बनने का कार्य करना चाहिए। जनजातीय विद्यार्थियों के लिए नियमित केरियर गाइडेंस और मोटिवेशनल कक्षाओं का आयोजन करवाना चाहिए। इसके लिए विद्यालय के सफल पूर्व विद्यार्थियों व जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को विद्यालय में विशेष सत्र हेतु आमंत्रित किया जाना चाहिए।?प्रमुख सचिव ?ने बोर्ड परीक्षाओं में शत प्रतिशत परिणाम देने वाले प्राचार्यों व शिक्षकों को बधाई दी। जनजातीय कार्य विभाग की उप सचिव सुश्री मीनाक्षी सिंह ने भी कार्यशाला को संबोधित किया और कहा कि अच्छे परिणाम लाने वाले प्राचार्यों से अनुभव साझा कर अन्य प्राचार्य सीखें। जनजातीय विद्यार्थियों को 12वीं कक्षा के बाद केरियर गाइडेंस की बहुत आवश्यकता होती है। इसके लिए एलुमनी मीट का आयोजन करें और पूर्व विद्यार्थियों के अनुभव विद्यार्थियों से साझा करवाएं।

मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की

व्यापक प्रचार-प्रसार कर अभियान से हर व्यक्ति को जोड़ें - मुख्य सचिव

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रदेश की मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि पूरे प्रदेश में 5 जून से 16 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर कार्ययोजना बनाकर शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में अभियान चलाएं। अभियान के तहत कुएं, बावड़ी, स्टापडैम, तालाब तथा अन्य पुराने जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार कराएं। इस अभियान का जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करके स्वयंसेवी संस्थाओं तथा प्रत्येक आमजन को जोड़ें। सबके सहयोग से ही अभियान सफल होगा। सांसदगण, विधायकगण तथा अन्य जनप्रतिनिधियों का भी अभियान में सहयोग प्राप्त करें।

मुख्य सचिव ने कहा कि जल संरक्षण और संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान की प्रत्येक गतिविधि का डाक्यूमेंटेशन कराएं। अच्छे फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कराएं। अभियान का समापन 16 जून को गंगा दशहरा पर किया जाएगा। इस दिन प्रत्येक जिले में प्रमुख जल स्त्रोत, धार्मिक परिसर अथवा नदियों के उद्गम स्थल पर भव्य समारोह का आयोजन करें। इसमें शामिल सभी व्यक्तियों को जल संरक्षण और संवर्धन की शपथ दिलाएं। मुख्यमंत्री जी उज्जैन में आयोजित समारोह में शामिल होंगे।

मुख्य सचिव ने कहा कि जल संरक्षण और संवर्धन के लिए परंपरागत जल संरचनाओं का सुधार कराएं। इसके लिए मनरेगा की राशि तथा अन्य मदों का उपयोग करें। चेकडैम, खेत तालाब, स्टाप डैम, तालाब, बावड़ी आदि की साफ-सफाई कराएं। जिससे इनमें पर्याप्त मात्रा में जल भराव हो सके। कलेक्टर एवं आयुक्त नगर निगम स्थानीय स्तर पर होर्डिंग लगाकर अभियान का प्रचार-प्रसार कराएं। जल संवर्धन कार्यों को शुरू करने के पूर्व स्थल की फोटो लें तथा कार्य पूरा होने के बाद की फोटो भी अपलोड कराएं। जन अभियान परिषद तथा अन्य स्वयं सेवी संस्थाओं को इस अभियान से जोड़ें। शिक्षण संस्थाओं, ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों में जल संरक्षण के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराएं।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य सचिव वन जेएन कंसोटिया ने बताया कि प्रदेश में आगामी वर्षाकाल में वृक्षारोपण का बड़ा अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत पाँच करोड़ 39 लाख पौधे रोपे जाएंगे। इसके लिए वन विभाग ने तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। अन्य विभागों के सहयोग से भी एक करोड़ 25 लाख पौधों का रोपण कराया जाएगा। उज्जैन में 13 हेक्टेयर में महाकाल सांस्कृतिक वन विकसित किया जा रहा है। इसी तरह चित्रकूट में 8 हेक्टेयर में रामवन तथा खजुराहो और भोपाल में भी सांस्कृतिक वन विकसित किए जा रहे हैं। नगरीय निकायों में स्मृति वन बनाने की भी योजना है। इसका रखरखाव नगरीय निकाय करेगा। इसमें कोई भी व्यक्ति निर्धारित राशि देकर अपने पूर्वजों अथवा अन्य किसी की स्मृति में पौधे रोपित कर सकता है।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में एनआईसी कक्ष में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, वनमण्डलाधिकारी क्षितिज कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, अपर कलेक्टर राजेश शाही, संयुक्त कलेक्टर नीलेश शर्मा, उपखण्ड अधिकारी कुसमी एस.पी. मिश्रा, सिहावल प्रशांत त्रिपाठी, मझौली आर.पी. त्रिपाठी, चुरहट शैलेष द्विवेदी, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा हिमांशु तिवारी, समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नीट की परीक्षा में सीधी के हर्ष का चयन

एमपी में दूसरी रैंक आई, बोले- शिक्षकों और माता-पिता के आशीर्वाद से संभव हुआ

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शहर के पुरानी गल्ला मंडी में व्यापार करने वाले बेटे का नीट की परीक्षा में चयन हो गया है। पूरे प्रदेश में छात्र ने दूसरा स्थान हासिल किया है। हर्ष कुमार गुप्ता ने नीट की परीक्षा में 1424 रैंक प्राप्त की है। इस उपलब्धि पर उनके पिता राजेन्द्र गुप्ता सहित परिजनों में खुशी का माहौल है।

12वीं की परीक्षा में हर्ष ने 90 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। हर्ष का कहना है कि यह उपलब्धि शिक्षकों और माता-पिता के आशीर्वाद से हासिल हुई है।

हर्ष ने विद्यार्थियों को यह संदेश देते हुए कहा है कि पढ़ाई कठिन रहती है, लेकिन संघर्ष के साथ पढ़ाई की सफलता भी ऊंचाई पर पहुंचाती है।

रोहित ने एमपी पीएससी में हासिल किए 855.75 अंक

मुख्य नगर पालिका अधिकारी में हुआ चयन

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली के भूड़कूड़ गांव के निवासी रोहित का चयन एमपी पीएससी में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पद पर हुआ है। रोहित कुमार उपाध्याय पिता स्वर्गीय सुनील कुमार उपाध्याय माता लीला उपाध्याय भूड़कूड़ गांव के निवासी है। इन्होंने एमपी पीएससी में 855.75 अंक हासिल किया है।

रोहित की पढ़ाई बचपन से उनके नाना के घर से हुई: रोहित की प्राथमिक शिक्षा डीएवी बैढ़न से पूरी हुई। इसके बाद डिपॉल स्कूल विंध्यनगर से उसने 9वीं से 12वीं तक की शिक्षा प्राप्त की। साथ ही ग्रेजुएशन इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से पूरा हुआ। रोहित के मामा पंडित नारायण देव पांडेय जो कि सिंगरौली में सरकारी स्कूल में शिक्षक है, उन्होंने बताया कि रोहित की शिक्षा में इनके नाना जाने माने शिक्षा विद्वान और धर्माचार्य पंडित राम नरेश शास्त्री का मार्गदर्शन मिला, जिससे बचपन से ही ये होनहार छात्र रहे है।

पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन पर 05 जून विश्व पर्यावरण दिवस समारोह साप्ताहिक कार्यक्रम के अन्तर्गत 07 जून को एम. पी. तिवारी प्रभारी जिला सीधी एवं अन्य स्टाफ के साथ प्राचीन एवं ऐतिहासिक शिव मंदिर बढ़ौरा में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रधानमंत्री जी के लाइफ मिशन कार्यक्रम अन्तर्गत 07 बिन्दुओं पर एवं पर्यावरण की थीम (हमारी पृथ्वी हमारा भविष्य) के तहत लगभग 500 श्रद्धालुओं, पुजारी एवं व्यापारी वर्ग के साथ सिंगल यूल्ड प्लास्टिक का उपयोग न करने तथा पर्यावरण संरक्षण हित में शपथ लिया गया।

साथ ही मंदिर परिसर में साफ सफाई मंदिर से उत्पन्न नारियल के जटे एवं अन्य कचड़ों की साफ सफाई करके नियत स्थान पर रखे जाने के लिए समझाइस दी गई तथा पौधरोपण का कार्य भी संपादित किया गया।

बाढ़ तथा अतिवृष्टि की आपदा से बचाव के प्रबंध करें : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं तथा कार्यक्रमों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी कलेक्टर बाढ़ तथा अतिवृष्टि की आपदा से बचाव के समुचित प्रबंध करें। बाढ़ राहत के लिए बचाव दलों तथा आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिला और तहसील स्तर पर 15 जून से कंट्रोल रूम स्थापित कर दें। बड़े सिंचाई बांधों की लगातार निगरानी कराएं। बांधों में यदि सीपेज है तो उसे तत्काल ठीक करा दें।

मुख्य सचिव ने कहा कि स्कूल चलें हम अभियान तीन दिवस चलाया जाएगा। अभियान के प्रथम दिन प्रवेश उत्सव मनाया जाएगा। सभी शाला त्यागी बच्चों का स्कूल में प्रवेश सुनिश्चित करें। जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रवेश उत्सव का आयोजन करें। दूसरे दिन विद्यार्थियों के अभिभावकों के साथ बैठक कर उनसे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के संबंध में सुझाव प्राप्त करें। अभियान के तीसरे दिन भविष्य से भेंट का कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

इसमें विभिन्न क्षेत्रों के ख्यातिलब्ध व्यक्तियों के प्रेरक भाषण स्कूलों में होंगे। अधिकारी भी चिन्हित स्कूलों में जाकर बच्चों को कम से कम एक पीरियड पढ़ाएं। प्रदेश भर में 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। आयुष विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग इसके लिए आवश्यक प्रबंध करें।

मुख्य सचिव ने कहा कि आगामी फसल के लिए कलेक्टर कृषि आदान की नियमित समीक्षा करें। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में बीज भण्डारित हैं। किसानों की मांग के अनुसार इनका वितरण कराएं। प्रदेश में यूरिया खाद का भी पर्याप्त भण्डार है। मुख्य सचिव ने कहा कि आग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी अस्पतालों, माल तथा अन्य बड़े भवनों में फायर ऑडिट अनिवार्य रूप से कराएं। आग दुर्घटना रोकने के अन्य उपायों पर भी ध्यान दें। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान ने कहा कि कलेक्टर जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित कर वर्षा जनित रोगों से बचाव के उपायों की समीक्षा करें। दवायें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। इनका वितरण सुनिश्चित करें। सभी अस्पतालों में विभिन्न रोगों की जाँच की सुविधा की भी समीक्षा करें।

बैठक में प्रमुख सचिव पीएचई पी नरहरि ने कहा कि कलेक्टर जल जीवन मिशन के कार्यों की सतत निगरानी करें। समूह नल-जल योजनाओं के संशोधित प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत कर दें। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पेयजल स्त्रोतों की साफ-सफाई का अभियान चलाएं। साथ ही पेयजल की गुणवत्ता की निगरानी सुनिश्चित करें।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में एनआईसी कक्ष में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, वनमण्डलाधिकारी क्षितिज कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, अपर कलेक्टर राजेश शाही, संयुक्त कलेक्टर नीलेश शर्मा, उपखण्ड अधिकारी कुसमी एस.पी. मिश्रा, सिहावल प्रशांत त्रिपाठी, मझौली आर.पी. त्रिपाठी, चुरहट शैलेष द्विवेदी, समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने हरी झण्डी दिखाकर मलेरिया जन जागरूकता रथ को रवाना किया

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सीधी जिले में माह जून को मलेरिया निरोधक माह के रूप में मनाया जा रहा है। मलेरिया निरोधक माह में 07 जून को कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर मलेरिया जन जागरूकता रथ को रवाना किया गया। मलेरिया जन जागरूकता रथ सीधी जिले के शहरी क्षेत्र, विकासखण्ड रामपुर नैकिन, सेमरिया, मझौली, कुसमी, सिहावल के विगत वर्षों के मलेरिया प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों में माइकिंग, पम्पलेट वितरण एवं प्रदर्शनी के माध्यम से प्रचार-प्रसार करेगा, इस दौरान पाये जाने वाले बुखार रोगियों की तत्काल रक्त की जाँच व पूर्ण उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी रथ में है।

07 जून को रथ प्रभारी गिरिजा शंकर मिश्रा एम.टी.एस. (मोबाइल नंबर-9039581643) द्वारा सीधी शहर के समस्त 24 वार्डों में मलेरिया जन जागरूकता रथ द्वारा भ्रमण कराया जावेगा। दिनांक 08 व 10 जून 2024 को रथ प्रभारी धीरेन्द्र मिश्रा एम.टी.एस. (मोबाइल नंबर-9685961919) व राम निवास साकेत एम.आई. (मोबाइल नंबर-8085159443) द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेमरिया के विभिन्न क्षेत्रों में मलेरिया जन जागरूकता रथ द्वारा भ्रमण कराया जावेगा। दिनांक 11 व 12 जून 2024 को रथ प्रभारी प्रकाश जायसवाल एम.टी.एस. (मोबाइल नंबर-6265212959) द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मझौली के विभिन्न क्षेत्रों में मलेरिया जन जागरूकता रथ द्वारा भ्रमण कराया जावेगा। दिनांक 13 व 14 जून 2024 को रथ प्रभारी दीपक जायसवाल एम.टी.एस. (मोबाइल नंबर-7693898436) द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिहावल के विभिन्न क्षेत्रों में मलेरिया जन जागरूकता रथ द्वारा भ्रमण कराया जावेगा। 18 व 19 जून 2024 को रथ प्रभारी सुभाषचन्द्र सोनी एम.टी.एस. (मोबाइल नंबर-6261312789) द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुसमी के विभिन्न क्षेत्रों में मलेरिया जन जागरूकता रथ द्वारा भ्रमण कराया जावेगा। दिनांक 20 व 21 जून 2024 को रथ प्रभारी सौरभ मिश्रा एम.टी.एस. (मोबाइल नंबर-9752768353) द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर नैकिन के विभिन्न क्षेत्रों में मलेरिया जन जागरूकता रथ पहुंचेगा। जिला मलेरिया अधिकारी हरिओम सिंह द्वारा बताया गया कि रथ मलेरिया प्रभावित विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर मलेरिया से बचाव के उपाय के संबंध में लोगों को जागरूक करेगा एवं बुखार के रोगियों की तत्काल जाँचकर, मलेरिया धनात्मक होने पर पूर्ण उपचार उपलब्ध करायेगा, रथ प्रभारी प्रतिदिन रथ भ्रमण की रिपोर्ट एवं कुल बुखार मरीजों की जाँच की जानकारी डॉ. ज्ञानेन्द्र पाठक, जिला मलेरिया सलाहकार सीधी (मोबाइल नंबर-6261671351) को उपलब्ध करायेंगे।

कृषि के क्षेत्र में बेहतर मौसम पूर्वानुमान हेतु मौसम एप : उप संचालक कृषि

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जानकारी देकर बताया है कि जिले के किसान भाइयों मौसम एप से सटीक और समय पर मौसम की जानकारी प्रदान करेगा, जिससे आप अपने कृषि कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकेंगे। इस मौसम एप का मुख्य उद्देश्य किसान भाइयों को मौसम की अनिश्चितताओं से बचाना और उनकी फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह एप स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर मौसम पूर्वानुमान, तापमान, वर्षा, आर्द्रता और हवाओं की गति की जानकारी प्रदान करता है। इसके अलावा, यह एप किसान भाइयों को फसल के प्रकार, बोआई के समय और कीट नियंत्रण के उपायों के बारे में भी मार्गदर्शन करेगा। मौसम एप मौसम के विस्तृत पूर्वानुमान को दैनिक, साप्ताहिक और मासिक आधार पर प्रदान करता है. जिससे किसान भाई फसल के महत्वपूर्ण चरणों में सही निर्णय ले सकें।

विभिन्न फसलों के लिए मौसम के अनुसार उपयुक्त सुझाव दिए जाते हैं, जिससे उत्पादन में सुधार होता है और नुकसान कम होता है। एप संभावित मौसम जोखिमों, जैसे तूफान, भारी बारिश या सूखे के बारे में अलर्ट भेजता है. जिससे किसान भाई समय पर तैयार हो सकें। सहायक संसाधन के रूप में किसानों के लिए वीडियोज, लेख और विशेषज्ञों की सलाह भी उपलब्ध है, जिससे वे नवीनतम कृषि तकनीकों और उपायों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें।

मूडी तालाब में स्वच्छता अभियान एवं पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित

सीधी निप्र। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 10 दिवसीय स्वच्छता अभियान के तीसरे दिवस 7 जून को नगर पालिका क्षेत्र सीधी के वार्ड मडरिया में स्थित मूडी तालाब में स्वच्छता अभियान एवं पौधरोपण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिला प्रशासन तथा नगर पालिका एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष काजल वर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक शिवदत्त उरमलिया, नगर पालिका सीधी के समस्त पार्षद स्टाफ समाजसेवी संस्थाएं तथा रश्मि दिव्यांग समिति सीधी के कार्यकर्ताओं द्वारा मूडी तालाब में स्वच्छता का कार्यक्रम किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान की कार्यशाला आयोजित

परंपरागत जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए किए जा रहे हैं साफ-सफाई तथा जीर्णोद्धार के कार्य

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले भर में 5 जून से 16 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत परंपरागत जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए साफ-सफाई तथा जीर्णोद्धार के लिए जिला स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान की कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कार्यशाला में विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम, विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह एवं कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी उपस्थित रहे।

विधायक धौहनी टेकाम ने कहा कि अभियान के तहत पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार की कार्ययोजना तैयार कर ले। यह शासन की महत्वपूर्ण योजना है इसमें तालाब, नदी, बावड़ी तथा कुंओं की साफ-सफाई एवं सुधार शामिल है। स्टापडैम में सुधार एवं कड़ी शटर लगाने का कार्य भी अभियान के दौरान किए जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आमजनता का सहयोग स्थानीय स्तर पर ले। तालाबों, नदियों एवं नालों में जो मालवा जम गया है उसे निकलवाने का कार्य करें बेसरम झाड़ियों को बाहर करें। हैंडपंप के पास जल स्त्रोतों को स्थापित करें जिससे वह फिर से रिचार्ज कर सकें और जिले के जल स्तर में वृद्धि हो सके। वृहद स्तर पर इसमें महिलाओं और स्वसहायता समूह की दीदियों को जोड़ने की आवश्यकता है। पिछले कुछ सालों पहले भी इस तरह के कार्य किए गए थे जिसका बेहतर परिणाम देखने को मिला है हमारे क्षेत्र में जलस्तर में वृद्धि हुई है। साथ ही नदी नालों और तालाबों के पास पौधा रोपण का कार्य व्यापक स्तर पर करें सीधी जिले में बांस का पेड़ अत्यधिक मात्रा में लगाया जा सकता है यह उसमें जलस्तर में वृद्धि हो सकती है। हमारे क्षेत्र के अत्यधिक नदी, नाले जो अतिक्रमण के कारण विलुप्त हो गए हैं उन्हें अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान चलाने की आवश्यकता है। स्थानीय स्तर पर जन सहयोग के माध्यम से तालाबों एवं नदियों का जीर्णोधार का कार्य किया जाए। जिले में शासकीय भूमि अत्यधिक मात्रा में उपलब्ध है जिसमें पौधा रोपण का कार्य किया जा सकता है जिला अंतर्गत छोटी छोटी पहाड़ी और पहाड़ उपलब्ध हैं जिसमें अभी भी पौधों की संख्या कम है पौधारोपण का कार्य किया जा सकता है। तालाब और शासकीय परिसरों के पास पौधा रोपण का कार्य किया जा सकता है। हैंडपंप एवं कुओं के पास जल स्त्रोतों को बनाकर पानी को रोका जा सकता है। जिले में छोटी-छोटी नदियां और नाले अतिक्रमण के चपेट में आकर विलुप्त हो गए हैं उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराकर जीणोद्धार का कार्य किया जाए। इसमें अत्यधिक जन जागरूकता की आवश्यकता है सभी कार्य जन भागीदारी से किया जाए।

कलेक्टर सोमवंशी ने कहा कि जल गंगा संवर्धन के अभियान अंतर्गत जिले के तालाब नदी, कुआ, बावड़ी के आसपास पौधा रोपण और जल स्त्रोतों को बनाए रखने के लिए कार्य किया जा रहा है। कार्यों का डीपीआर बना लें और स्थानीय स्तर पर लोगों का सुझाव लेकर कार्य करने की आवश्यकता है। इस अभियान का प्रचार प्रसार व्यापक स्तर पर हो यह सुनिश्चित करें जिससे लोगों को अपनी सहभागिता निभाने में आसानी हो। इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी क्षितिज कुमार, मुख्य कार्यपालक अधिकारी राहुल धोटे, अपर कलेक्टर राजेश शाही, संयुक्त कलेक्टर नीलेश शर्मा, समाजसेवी डॉ अनूप मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 1709/न.पा.नि./राजस्व/2024 रीवा, दिनांक 06/06/2024

अचल सम्पत्ति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की योजना क्रमांक-7 यातायात नगर रीवा जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में स्थित **भूखण्ड क्रमांक s/217c क्षेत्रफल 14.32 वर्गमीटर श्री प्रभात कुमार प्रधान पिता श्री रामकुमार प्रधान** को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, जिसका नामान्तरण **श्री मकसूद अहमद अंसारी पिता श्री अब्दुल कादीर अंसारी निवासी वार्ड नं. 23 मकान नं. अमहिया रीवा (म.प्र.)** के नाम किये जाने हेतु दिनांक 20.03.2024 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखण्ड क्रमांक s/217c के नामांतरण में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात आवेदक श्री प्रभात कुमार प्रधान पिता श्री रामकुमार प्रधान निवासी 135 उपरहटी प्रधान टोला रीवा (म.प्र.) के आवेदन अनुसार भूखण्ड क्रमांक s/217c का नामांतरण श्री मकसूद अहमद अंसारी पिता श्री अब्दुल कादीर अंसारी निवासी वार्ड नं. 23 मकान नं. अमहिया रीवा (म.प्र.) के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

विचार

चुनाव के नतीजे आर्थिक मुद्दों के महत्व की ओर इशारा करते हैं

लोकसभा चुनाव के नतीजे उन लोगों के लिए एक झटके के रूप में सामने आए हैं, जिन्होंने समस्याग्रस्त एग्जिट पोल पर गलती से विश्वास कर लिया था, जो कि मोदी सरकार द्वारा इतनी मेहनत से तैयार की गई कहानी को जारी रखता है। कई राजनीतिक पंडितों ने उन झूठी भविष्यवाणियों को साहसपूर्वक सही ठहराया है। हम वास्तविक परिणामों की व्याख्या करने के लिए पहले ही कूद पड़े। एक मुख्य व्याख्या यह है कि 'इंडिया' गठबंधन ने सामाजिक न्याय और जाति जनगणना पर जोर दिया और अधिक चतुर गठबंधन बनाए रखा। जाति के संदर्भ में उम्मीदवारों के लिए स्पष्ट विकल्प भी गठबंधन ने बनाए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सामाजिक न्याय की आवश्यकता की मान्यता और साथ ही संविधान के अस्तित्व के बारे में आशंकाएं महत्वपूर्ण कारक थीं। साहसी राज्यों में स्थानीय कारकों ने भी भूमिका निभाई होगी। अगली सरकार बनने पर उसे मतदाताओं के स्पष्ट संदेश को पहचानना होगा। आर्थिक मुद्दों का महत्व, बेरोजगारी और लगातार कम मजदूरी, स्व-रोजगार से अपर्याप्त आजीविका और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के प्रमुख संकटों को चुनावों के दौरान नजरअंदाज कर दिया गया। ये मुद्दे देश के अधिकांश लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। यह वह जगह है जहां 'इंडिया' गठबंधन, खासकर कांग्रेस द्वारा किए गए वायदे महत्वपूर्ण हो सकते हैं, खासकर उत्तर प्रदेश जैसे हिंदी पट्टी के कुछ हिस्सों में। विपक्षी पार्टियों ने सामाजिक न्याय के साथ-साथ आजीविका और रोजगार के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया। उनके वायदे निस्संदेह अधिकांश मतदाताओं के बीच प्रतिध्वनित हुए। युवाओं, महिलाओं, किसानों और श्रमिकों के लिए न्याय के साथ-साथ सामाजिक न्याय के माध्यम से सम्मान पर ध्यान, जिसे उदाहरण के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र में उजागर किया गया था, आवश्यक रूप से आर्थिक नीति में एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। वास्तव में जो आवश्यक है वह मूलभूत परिवर्तन से कम नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव सार्वजनिक वस्तुओं और सेवाओं के वितरण को देश या सर्वोच्च नेता से 'उपहार' के रूप में देखने के बजाय मानवाधिकारों, विशेष रूप से सामाजिक और आर्थिक अधिकारों के ढांचे पर वापस जाना है। इसके लिए तत्काल दो बातों की आवश्यकता है। पहला काम श्रमिकों के अधिकार का विस्तार करके (बेहतर वित्त पोषित और अधिक सुलभ मनरेगा के साथ-साथ शहरी रोजगार गारंटी योजना की शुरूआत के माध्यम से) सभी के लिए बुनियादी सामाजिक और आर्थिक अधिकार सुनिश्चित करना है। भोजन का अधिकार, जो अभी भी अपर्याप्त है और कम से कम 100 मिलियन भारतीयों को इससे वंचित किया गया है। दूसरा है लाखों युवाओं की निराश आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नौकरियां पैदा करना है। यह प्राथमिक आर्थिक लक्ष्य बनना चाहिए। इसके लिए सार्वजनिक रोजगार के विस्तार की आवश्यकता है। सबसे पहले, रिक्तियों को भरने की आवश्यकता है और 'योजना' के तहत श्रमिकों सहित सभी सार्वजनिक कर्मचारियों को नियमित करने की आवश्यकता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की जरूरतें पिछले दशक की नीतिगत गलतियों से प्रभावित हुई हैं। मोदी के 'नए कल्याणवाद' के बारे में बहुत कुछ कहा जा चुका है लेकिन इसे अधिक सटीक रूप से 'कल्याणवाद के आसपास नई ब्रांडिंग' के रूप में वर्णित किया गया है। केंद्र और राज्य की सफल सरकारें कल्याणकारी योजनाओं के प्रावधान की ओर उन्मुख रही हैं, जो देश के अधिकांश हिस्सों में निरंतर गरीबी और खराब मानव विकास संकेतकों को देखते हुए आवश्यक हैं। मोदी सरकार ने अपने हस्तक्षेपों को बिल्कुल नए रूप में विज्ञापित किया जबकि ये वास्तव में पुरानी योजनाओं की निरंतरता या विस्तार मात्र हैं या प्रधानमंत्री से उपहार के रूप में। इसके बजाय, उन्हें नागरिकों के अधिकारों को पूरा करने के तरीकों के रूप में विज्ञापित करने की आवश्यकता है। इस चुनाव के परिणामस्वरूप एक महत्वपूर्ण बदलाव आने की संभावना है। वह पिछले दशक में स्पष्ट अलोकतांत्रिक केंद्रीकरण से दूर, संघवाद का पुनरुद्धार है। अधिकांश राज्य सरकारें सार्वजनिक सेवा वितरण के लिए जिम्मेदार हैं जो लोगों द्वारा चुनी जाती हैं।

बंगाल में मोदी-शाह गलतियां करते रहे और ममता बनर्जी उनका लाभ उठाती रहीं

नीरज कुमार दुबे

लोकसभा चुनाव में जिन राज्यों के परिणामों ने पूरे देश को चौंकाया है उनमें पश्चिम बंगाल भी शुमार है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ जिस स्तर की नाराजगी देखी जा रही थी। जिस तरह ममता सरकार के कई मंत्रियों और विधायकों पर घोटाले के आरोप लगे थे। जिस प्रकार संदेशखाली की महिलाओं पर हुआ अत्याचार देश भर में बड़ा मुद्दा बन गया था। जिस प्रकार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के इर्दगिर्द ईडी का शिकंजा कसा हुआ था। जिस प्रकार ममता बनर्जी को सनातन विरोधी बताया जा रहा था। जिस प्रकार तृणमूल कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने चुनावों से ऐन पहले पाला बदल लिया था। जिस प्रकार मीडिया की सुर्खियों में ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ समाचार रिपोर्टें छाई हुई थीं। जिस प्रकार सभी एक्जिट पोलों ने तृणमूल कांग्रेस को भारी नुकसान की संभावना जताई थी, उस सबको देखते हुए कहा जा सकता है कि लोकसभा चुनाव परिणाम बेहद अप्रत्याशित हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह 30 सीटों का लक्ष्य लेकर अपना चुनाव अभियान आगे बढ़ा रहे थे लेकिन उसका आधा भी हासिल नहीं कर पाये। यह चुनाव परिणाम दर्शा रहे हैं कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की तरह इस बार के लोकसभा चुनावों में भी भाजपा पूरी तरह हवा में ही रही। भाजपा ने मीडिया में हवा बना ली लेकिन जमीनी स्थिति का आकलन नहीं कर पाई। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में 18 सीटें और 2021 के विधानसभा चुनावों में 75 सीटें तो जीत लीं लेकिन पार्टी के नेता जमीन पर लोगों से जुड़ने की बजाय आपस में ही उलझे रहे। दिलीप घोष जैसे वरिष्ठ नेता को लगता रहा कि सुकांत मजूमदार जैसे युवा नेता को पार्टी की कमान क्यों सौंप दी गयी है? कई नेताओं को यह लगता रहा कि तृणमूल कांग्रेस से आये शुभेंदु अधिकारी को विधानसभा में विपक्ष के नेता जैसा अहम पद तथा तमाम अन्य जिम्मेदारियां क्यों सौंप दी गयी हैं? देखा जाये बंगाल में भाजपा के पुराने और नये नेताओं के बीच सामंजस्य कभी बन ही नहीं पाया और इस दूरी को पार्टी का आलाकमान भी पाट नहीं पाया जिससे भाजपा को बड़ा नुकसान हो गया। इसके अलावा पार्टी का आलाकमान दिल्ली में बैठ कर बंगाल में पार्टी को चलाता रहा जिसका सीधा असर भाजपा के प्रदर्शन पर दिख रहा है। इसके अलावा, भाजपा ने लोकसभा चुनावों से पहले सीएए के नियम अधिसूचित कर दिये, यही नहीं बंगाल में मतदान से पहले सीएए के तहत लोगों को नागरिकता भी प्रदान कर दी लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। जिन क्षेत्रों में भाजपा को सीएए का फायदा मिलने की उम्मीद थी वहां भी तृणमूल कांग्रेस जीत गयी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रैलियों में अपार भीड़ तो उमड़ी लेकिन वह वोटों में परिवर्तित नहीं हो पाई तो इसका एक बड़ा कारण भाजपा की सांगठनिक कमजोरी भी है। भाजपा ने कहने को पार्टी महासचिव सुनील बंसल समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं को बंगाल में लगा रखा था लेकिन परिणाम दर्शा रहे हैं कि यह सभी नेता जनता की नब्ज नहीं पकड़ पाये। पिछले साल पश्चिम बंगाल में हुए पंचायत चुनावों में भी भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था लेकिन उसके बावजूद पुरानी टीम को बरकरार रखा गया था। इसके अलावा, ममता बनर्जी जिस तरह सीएए और एनआरसी को लेकर लोगों के बीच भय का वातावरण बनाती रहीं उसकी भी काट भाजपा नहीं कर पाई। देखा जाये तो ममता बनर्जी की छवि फाइटर नेता की रही है और वह अपनी पार्टी को जिताने के लिए जी-जान लगा देती हैं। चुनाव प्रचार के दौरान खुद पर होने वाले राजनीतिक हमलों को वह अपने पक्ष में मोड़ लेने में माहिर हैं। इस बार के चुनावों में भी उन्होंने ऐसा कई बार किया। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन के तमाम नेताओं ने विभिन्न राज्यों में सीटों का बंटवारा कर आपस में समन्वय बनाकर चुनाव लड़ा लेकिन ममता बनर्जी ने बंगाल में अकेले ही सारी चुनौती झेली। उनके तमाम नेता भ्रष्टाचार के आरोपों के घेरे में थे, भाजपा जैसी साधन संपन्न पार्टी से मुकाबला करना था, इसके बावजूद ममता ने किसी दल का सहयोग नहीं लिया और अपने बलबूते चुनाव प्रचार में उतर गयीं। चुनाव प्रचार की शुरुआत में ही उनको चोट भी लगी लेकिन इसकी परवाह किये बिना उन्होंने प्रचार में एड़ी चोटी का जोर लगा दिया और आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अजेय नेता की छवि उन्होंने तोड़ डाली। मोदी की गारंटी के साथ शुरू हुए भाजपा के प्रचार को ममता के वादों ने धो डाला और बंगाल की जनता ने दिखा दिया कि वह अपनी दीदी के साथ खड़ी है। इसके अलावा, इन परिणामों ने ममता बनर्जी की क्षेत्रीय नेता की छवि को तो पुख्ता किया ही है साथ ही राष्ट्रीय राजनीति में भी उनका महत्व काफी बढ़ा दिया है। ममता बनर्जी ने जब लोकसभा चुनावों के दौरान एकला चलो का फैसला किया था तब उनको इंडिया गठबंधन के कई नेताओं ने मनाने का प्रयास किया था लेकिन वह नहीं मानी थीं क्योंकि संभवत: उन्हें अपने कामकाज और चुनावी रणनीति पर भरोसा था। आखिरकार ममता का फैसला तब सही साबित हुआ जब लोकसभा चुनाव के परिणाम सामने आये। हम आपको बता दें कि इस बार तृणमूल कांग्रेस के खाते में 29 सीटें गयी हैं जबकि भाजपा के हाथ मात्र 12 सीटें लगी हैं और कांग्रेस को महज एक सीट से संतोष करना पड़ा है जबकि वामपंथी दल एक बार फिर खाली हाथ रह गये हैं। यह परिणाम इस बात के भी संकेत दे रहे हैं कि आगामी बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान भी तृणमूल कांग्रेस को चुनौती देना किसी भी दल के लिए आसान नहीं होगा। साथ ही इन परिणामों ने जनता के बीच यह संदेश भी दिया है कि तृणमूल कांग्रेस फिलहाल अजेय है।

न तुम जीते न वह हारे!

यूं ही नहीं कहा जाता कि भारत दुनिया में लोकतंत्र का मसीहा है। समूची दुनिया मानती है कि भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र कम ही हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की खूबसूरती को बनाए रखने वाले मतदाताओं ने एक बार फिर वह कर दिखाया जिससे समूची दुनिया अचंभित है। निश्चित रूप से नतीजों ने इतना तो बता दिया कि भारत का मतदाता खामोश भले ही रहे लेकिन फैसले वही करता है जो देश हित में जरूरी समझता है। यकीनन 2024 के खंडित जनादेश से अपने बलबूते बहुमत तक नहीं पहुंची भाजपा जहां 63 सीटें हारने के बावजूद ज्यादा सीटें जीतकर भी खुश नहीं है वहीं एक दशक के इंतजार के बावजूद 99 पर अटकी कांग्रेस भी गमजदा नहीं है। देश में एक बार फिर गठबंधन सरकार का दौर आ गया है। नतीजों के बाद कहीं न कहीं बेहद पुराने सहयोगियों अकाली दल को खोने तो शिवसेना को 2 भागों में कराने का भी भाजपा के धुरंधरों को मलाल होगा। वहीं तमाम सहयोगियों से पिछले 10 वर्षों में किया गया बर्ताव और अब उन्हीं के सहारे सरकार चलाना कितना मददगार होगा? सबसे बड़ा सवाल यही चर्चाओं में है कि क्या मीट, मटन, मंगलसूत्र, मुसलमान, मुजरा जैसे बयान फिर सुनने को मिलेंगे? जबकि किसान आंदोलन, जबरदस्त महंगाई-बेरोजगारी, पेपरलीक जैसे अछूते मुद्दों ने भी चुनाव को प्रभावित किया। इसी साल हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में तो अगले साल दिल्ली और बिहार में विधानसभा चुनाव हैं। इन राज्यों में भाजपा की परफॉर्मेंस पहले के मुकाबले घटी है। लोकसभा में जीत से उत्साहित नीतीश 6 महीनों के अंदर बिहार में चुनाव के पक्षधर होकर कई मांगें रखेंगे। विशेष राज्य का दर्जा से लेकर अधिक मदद का दबाव होगा। उनकी सफलता का असर बिहार में निश्चित दिखेगा। ऐसे में इन विधानसभा चुनावों के बाद की राजनीति की करवट क्या होगी? अब नीतीश का बार-बार पाला बदलना अचरज के बजाय अवसर कहलाता है। वहीं चंद्रबाबू नायडू ने 2002 में गुजरात दंगों के बाद मुख्यमंत्री के पद से मोदी के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध में एक प्रस्ताव पारित किया था।

कुछ बीती कुछ हालिया बातें राजनीतिक भविष्य को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। 2019 में आंध्र प्रदेश में मोदी का दिया वह भाषण विपक्ष काफी प्रचारित कर रहा है जिसमें चंद्रबाबू को अपने ससुर की पीठ में छुरा घोंपने वाला बताया था। 2018 में नायडू ने विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग पर ही एन.डी.ए. छोड़ अपने 2 केन्द्रीय मंत्रियों को भी हटाया था। लेकिन राजनीति संभावनाओं का खेल है। यहां न कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन। फिलहाल नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। यह सच है कि अपने राजनीतिक जीवन में उन्होंने कभी गठबंधन सरकार नहीं चलाई। अब 2 शहजादों के चलते बने मजबूत विपक्ष और संविधान में आस्था रखने की दुहाई के नाम पर विपक्षी एकजुटता के आगे बहुमत से दूर मिली-जुली भाजपा-एन.डी.ए. सरकार चलाना और पहले जैसी मजबूती बनाए रखना बड़ी चुनौती होगी। सारे सवाल भविष्य के गर्त में छुपे हैं। लेकिन सबसे अहम यह कि अब की बार मोदी की एन.डी.ए. सरकार के काम और फैसलों की रफ्तार वैसी ही होगी जो बीते 2 कार्यकाल में थी? कम से कम मंत्रिमंडल गठन तक कयासों के संकेत का इंतजार करना होगा। 2014 के चुनावों में 282, 2019 में 303 सांसदों के मुकाबले इस बार भाजपा के 240 बनाम गठबंधन के 53 सांसदों के बीच मंत्रिमंडल संतुलन भी देखने लायक होगा। आक्रामकता के साथ चौंकाने वाले फैसलों की खातिर पहचान बना चुके नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बराबरी कर लेंगे जिन्होंने 6130 दिन तक केंद्रीय सत्ता संभाली। लेकिन मोदी पहले राजनेता होंगे जो चुनी हुई सरकारों यानी गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में रिकॉर्ड 8277 दिन काम कर चुके हैं। जबकि इंदिरा गांधी 5829 दिनों तक प्रधानमंत्री रहीं। इस सच्चाई से कतई गुरेज नहीं कि चुनाव पूर्व गठबंधन के पास बहुमत है। जिसमें जाते-आते सहयोगियों के खट्टे-मीठे अनुभव और राजनीतिक महत्वकांक्षाओं को पूरा करने या न करने पर अपने मन की बात न कह पाने वाले घटक दल प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात को कितना मानेंगे? क्या मोदी-शाह की जोड़ी वैसा कर पाएगी जैसा करती रही? इसे लोग अपने-अपने तरीकों से समझने और समझाने की कोशिश रहे हैं।

18 वीं लोकसभा के चुनावों के जनादेश के मायने

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

18 वीं लोकसभा के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि मतदाता के मन को समझना इतना आसान नहीं हैं। इसी तरह से एक्जिट पोल के परिणामों और धरातलीय परिणामों में अंतर से साफ हो जाता है कि मतदाता खुलता भी नहीं है तो किसके पक्ष में मतदान करके आया है उसे वह मुखर होकर बताता भी नहीं है। चुनाव परिणामों से सट्टा बाजार की भी पोल खुल कर रह गई है। ऐसे में सवाल यह हो जाता है कि मतदाता इस जनादेश के माध्यम से आखिर संदेश क्या देना चाहते हैं? लोकसभा चुनाव परिणामों से यह तो साफ हो गया है कि मतदाता ने एनडीए को तीसरी बार सरकार चलाने या यों कहें कि कंटिन्यूटी का अवसर दे दिया है क्योंकि एनडीए को स्पष्ट बहुमत दिया है। ऐसा नहीं है कि परिणाम के बाद किसी बाहरी दल के सहयोग की आवश्यकता हो। बहुमत के 272 की तुलना में एनडीए को 293 सीटें मिली हैं वहीं पिछले दो चुनावों की तरह इस बार भाजपा को अकेले स्पष्ट बहुमत के आंकड़ें से दूर अवश्य रखा है पर सबसे बड़े दल के रुप में भाजपा सामने आई है। देखा जाए तो 10 साल बाद किसी भी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। इससे यह भी तो स्पष्ट हो जाता है कि सत्ता विरोधी लहर उतनी नहीं रही जितनी दस साल के शासन के बाद सामान्यत: आ जाती है पर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा आदि के माध्यम से मतदाता ने अपनी नाराजगी जाहिर करने में किसी तरह का संकोच भी नहीं किया है। दरअसल जनआंकाक्षाओं और सरकार की परफारमेंस के बीच अंतर को पाटने में सरकार पूरी तरह से सफल नहीं रही। हांलाकि परफारमेंस के पेरामीटर्स या यों कहें कि मापदण्ड बदलते रहते हैं। एक बात यह भी स्पष्ट हो जाना चाहिए कि यह मेंडेंट केन्द्र सरकार की

वर्तमान नीतियों का नकार नहीं हैं अपितु मतदाता सरकार द्वारा नेपथ्य में ड़ाले हुए विषयों को सामने लाकर आगे बढ़ने की दिषा में दिया गया संदेश है। और साफ है कि सरकार की प्राथमिकता में इन विषयों को लेना ही होगा। दरअसल जनता कहीं ना कहीं संतुलन चाहती हैं। सरकारों को जहां एग्रेसिव होना अच्छा लगता हैं वहीं जनता कहीं ना कहीं डिलीवरी सिस्टम को लेकर भी चिंतित रहती है। केवल उज्जवल और एग्रेसिव छवि, सफल विदेश नीति, राष्ट्रीयता और राष्ट्रवाद, धर्म, आर्थिक विकास या यों कहें कि इकोनोमिक ग्रोथ के साथ ही बहुत से ऐसे कारक है जिन्हें नकारा नहीं जा सकता। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया का सबस बड़ा और सफलतम लोकतंत्र हमारे यहां है। लोकतांत्रिक देषों में सर्वाधिक राजनीतिक दलों वाला भी हमारा ही देश है। हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था व चुनाव व्यवस्था की सारी दुनिया कायल है। पर इसके साथ ही अब आमजन का मनोभाव यह है कि राजनीतिक दलों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए ना कि मण्डी बाजार जैसी एक दूसरे पर छिंटाकशी के हालात। वास्तविकता तो यह है कि प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा तो रही ही नहीं है अपितु दिन प्रतिदिन एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाना ही एकमात्र काम रह गया। मानों या ना मानों पर आज हालात यह हो गए हैं कि राजनीतिक शालिनता तो रही ही नहीं।

दूसरी बात धर्म की करें तो उत्तर प्रदेष में अयोध्या की सीट पर बीजेपी उम्मीद्वार की हार और यूपी के परिणाम बीजेपी के लिए घोर निराशाजनक होने से साफ संकेत हैं कि केवल श्रीराम लला या धर्म के नाम पर ज्यादा दिन नहीं चला जा सकता। लोगों का मानना है कि अब राम मंदिर बन गया वह सबके सामने हैं तो अब उसे जनमानस की आस्था का केन्द्र रहने दो नाकि उसे राजनीतिक रुप से भुनाना। हिन्दी बेल्ट के परिणाम इसे साफ कर देते हैं। लोग आतंकवादी गतिविधियों व असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त कदम को तो उचित मानते हैं पर अब इसमें धर्म का प्रयोग कुछ अति ही लगने लगा है। एक अन्य बिंदु आर्थिक एजेण्डा को लेकर है। कहीं भी मतदाता ने आर्थिक एजेण्डें को नकारा नहीं हैं। पर लोग अब महंगाई से त्रस्त हो रहे हैं तो बाजार पर सरकार के नियंत्रण कम होने से परेशान है। जनमानस जहां आर्थिक क्षेत्र में हाई ग्रोथ चाहने लगा है तो सबसे बड़ी समस्या रोजगार के अवसरों को लेकर है। पक्ष व विपक्ष सभी का प्रिय मुद्दा नौकरियां है। सरकार जहां कहती है कि लाखों की संख्या में नौकरी के अवसर विकसित किए हैं वहीं विपक्ष नौकरियां नहीं मिलने की बात करता रहा है। इन चुनावों में भी हिंदी बेल्ट में नौकरियों की कमी का अण्डर करंट अवश्य रहा है। इसलिए नौकरियों के अवसर विकसित करने के साथ ही नौकरियां उपलब्ध कराने और उसका प्रोपेगेंडा करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही आम आदमी का जीवनयापन आसानी से हो सके, इसके लिए सरकार को विजिलेंट रहना ही होगा। इसी तरह से आधारभूत संरचनाओं के विस्तार पर जोर देना होगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, सड़क आदि क्षेत्रों में सरकार को अपने एजेण्डें को आगे बढ़ाना ही काफी है। आमजन शांति, प्रेम और स्नेह का वातावरण, तेजी से समग्र विकास, विदेशों में गौरव और आधारभूत सुविधाओं का विस्तार चाहता है। रोजगार की सहज उपलब्धता और बाजार पर सरकार की नियंत्रण होने से जीवनयापन और अधिक आसान हो सकता है। जहां तक विदेश नीति की बात है इसमें कोई दो राय नहीं कि पिछले दस सालों में भारत अब दुनिया के देशों के सामने चौधरी की भूमिका निभाने लगा है। आज कोई भी देश चाहे वह कितना भी बड़ा, संपन्न और शक्तिशाली हो पर भारत को इग्नोर करने की गलती नहीं कर सकता। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि 18 वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम कहीं भी खंडित जनादेश नहीं है। इन्हें खंडित जनादेश मानने की गलती की भी नहीं जानी चाहिए। एनडीए को स्पष्ट बहुमत दिया गया है तो भाजपा को सबसे बड़ा दल बनाते हुए सबको साथ लेकर चलते स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़ने का मैसेज है। केन्द्र व राज्यों के संबंधों को विकास में सहभागी बनाने की आवश्यकता है। इसलिए निराश होने की कोई बात नहीं है अपितु एनडीए को स्पष्ट बहुमत और मजबूत विपक्ष के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक गतिमान बनाने का मैसेज हैं।

मॉब-लिंचिंग, 2 युवकों की मौत

मवेशी ले जाने पर 10-12 लड़कों ने किया पीछा फिर जमकर पीटा, महानदी में मिली लाश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में दो युवकों की मॉब लिंचिंग में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात को आरंग थाना इलाके में 3 लोग ट्रक में मवेशी भरकर ले जा रहे थे। इसी दौरान 10 से 12 लड़कों ने उनका पीछा किया और फिर ट्रक को महानदी पुल पर घेर लिया। इसके बाद कई लड़कों ने ट्रक में सवार 3 लोगों की जमकर पिटाई कर दी।

इनमें से एक युवक की लाश महानदी में मिली वहीं एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। तीसरे युवक गंभीर रूप से घायल जिसका रायपुर के निजी अस्पताल में इलाज जारी है। फिलहाल दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के बाद मौत की असल वजह सामने आ पाएगी।

ट्रक सवार यूपी के सहारनपुर के रहने वाले: जानकारी के मुताबिक, ये पूरी घटना शुक्रवार रात ढाई बजे के करीब की है। कुछ लड़कों को सूचना मिली कि एक ट्रक में मवेशी भरकर 3 लोग उसकी तस्करी कर रहे हैं। उन्होंने ट्रक का पीछा किया। ट्रक दुर्ग पासिंग का था। आरंग थाना इलाके के महानदी पुल के ऊपर ट्रक पहुंचते ही उसे कई लड़कों ने ओवरटेक कर घेर लिया। ट्रक में चांद मियां, गुड्डू खान और सद्दाम खान नाम के युवक सवार थे। इन लड़कों ने गौ-तस्करी का आरोप लगाते हुए उन्हें पीटना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने चांद मियां और गुड्डू खान को पीटकर उन्हें पुल से नीचे फेंक दिया।

हालांकि मौत की असल वजह की अभी पुष्टि नही हो पाई है। इस मारपीट में सद्दाम खान बुरी तरह घायल हो गया है। जिसका अस्पताल में इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि ये सभी यूपी के सहारनपुर के रहने वाले हैं। फिलहाल आरोपियों की भी पहचान पुलिस ने नही की है।

खुद नदी में कूदकर दे दी जान: आरंग पुलिस फिलहाल इस मामले में घायल सद्दाम खान से बात करने की कोशिश कर रही है। इस मामले में एक खबर ये भी है कि बदमाशों की मारपीट से डरकर चांद मियां और गुड्डू खान महानदी में कूद गए। जहां चट्टान से टकराकर उनकी मौत हो गई। पुलिस इस मामले में घायल सद्दाम के बयान का इंतजार कर रही है।

फिलहाल एफआईआर दर्ज नहीं: इस मामले को लेकर आरंग थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह श्याम ने कहा कि देर रात घटना की जानकारी पुलिस को मिली है। मौके पर जब पुलिस पहुंची तो वहां एक युवक की मौत हो गई थी वहीं 2 लोग गंभीर रूप से घायल थे।

टीम ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया जहां एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और घायल के बयान के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी। इसके बाद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। वहीं जब रायपुर एसपी संतोष सिंह से संपर्क किया गया तो उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया।

ग्राम पंचायतो में मनाया गया रोजगार दिवस

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी.राहुल वेंकट के निर्देशन एवं परियोजना निदेशक के मार्गदर्शन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी स्कीम अंतर्गत जिले की विभिन्न ग्राम पंचायत में कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा के द्वारा मनरेगा योजना अंतर्गत चल रहे कार्य में कार्यस्थल पर श्रमिकों के द्वारा रोजगार दिवस मनाया गया। रोजगार दिवस के दौरान मनरेगा अंतर्गत एफआरए कार्यों का चिन्हांकन किया गया। वही दूसरी और समय पर मजदूरी भुगतान संबंधी समस्याओं के निराकरण किया गया। जिन ग्राम पंचायतों में श्रमिकों के द्वारा रोजगार की मांग की गई। उनका संधारण कर कार्य योजना तैयार की गई। प्रति श्रमिक 100 दिवस रोजगार हेतु चर्चा की गई मातृत्व भत्ता, श्रम कार्ड के साथ कार्यों में जल संरक्षण, जल संवर्धन के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के तौर पर रखा गया है। हितग्राही मूलक कार्यों को भी प्राथमिकता से किए जाने पर रोजगार दिवस पर चर्चा की गई।

जंगल में जुआरियों की महफिल, 7 लोगों सहित 35 हजार कैश, 2 लाख का सामान जब्त

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। जांजगीर-चांपा जिले में पुलिस ने जुआ खेलने वालों पर कार्रवाई की हैं। लगातार मिल रही शिकायत के बाद पुलिस ने गुरुवार रात में दबिश देकर 7 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 35 हजार रु कैश और 2 लाख का सामान जब्त किया गया है। मामला अकलतरा थाना इलाके का है। जहां से अकलतरा पुलिस और साइबर की संयुक्त टीम ने पोड़ीदलहा जंगल में पुलिस ने रेड मारी थी। मौके से 7 बाइक और 6 मोबाइल के साथ ताश जब्त की गई हैं। सभी को पकड़कर अकलतरा थाना लाया गया।

मजार में काटा पत्नी का गला

मीरा दातार इलाज कराने आए थे, रात रुकने पर हुई कहासुनी तो चाकू से किया वार

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में पति ने सब्जी काटने वाले चाकू से पत्नी का लगा काट दिया। पति की तबीयत ठीक नहीं रहती थी, इसलिए इलाज कराने के लिए मजार गया था। वहां रात रुकने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी। घटना बलौदा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार, सरगुजा जिले के भंडार गांव निवासी विदेश पैकरा (30) की पेट दर्द के चलते अक्सर तबीयत खराब रहती थी। इसलिए पत्नी देवती पैकरा (26) के साथ इलाज कराने के लिए 4 जून को बलौदा के मीरा दातार मजार आए थे। जहां इलाज करवाया।

मजार से घर जाने के बात पर हुआ विवाद: लेकिन अच्छा नहीं लगने पर विदेश ने पत्नी देवती से कहा कि, घर चलते हैं। जिस पर पत्नी नहीं मानी और सुबह जाने की बात कहने लगी।

रात रुकने पर 5 जून की आधी रात गुस्से में पति ने हाथ से उसका मुंह दबाया, फिर चाकू से पेट और गले में ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

सुबह चौकीदार ने देखी थी लाश: दूसरे दिन चौकीदार सरजू चौहान जब सुबह 4 बजे उठा, तो देवकी पैकरा को 3 से 4 बार आवाज दिया, मगर उसने कोई जवाब नहीं दिया। उसके पास जाकर देखा तो सिर पर चोट के निशान मिले। खून बह रहा था और उसकी मौत हो चुकी थी। उसका पति भी मौके पर नहीं था। इसकी सूचना बलौदा पुलिस को दी गई।

पति गांव से हुआ गिरफ्तार : सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक की टीम मौके पर पहुंची। शव का पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने जांच के दौरान 6 जून को आरोपी पति विदेश पैकरा को गांव में ही घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसमें हत्या करना स्वीकार किया है।

नौकरी लगाने के नाम पर रुपए मांगने वालों से रहे सावधान

तत्काल नजदीकी थाने में करें शिकायत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आमजनों से नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वालो से सचेत व सावधान रहने की सलाह दी है। कलेक्टर ने कहा है कि आमतौर पर कुछ लोग सरकारी दफ्तरों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर भोले भाले लोगों से रुपये ठग लेते है। ऐसी शिकायतें सामने आई है। जिस पर जिला पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर ने कहा कि सरकारी दफ्तरों में नौकरी लगवाने के नाम पर जो भी रुपए मांगे उसकी तत्काल शिकायत नजदीकी थाने अथवा जिला प्रशासन को दें। जिस पर कार्यवाही की जावेगी। किसी भी सरकारी दफ्तर में रुपए लेकर नौकरी देने का कोई प्रावधान नहीं है पूरी पारदर्शिता के साथ कोई भी नियुक्ति किये जाने का प्रावधान है। अत: ऐसे लोगों से सावधान व सचेत रहे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों संध्या सिंह निवासी वेस्ट चिरमिरी पोड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई कि सरभोका का रहने वाला आरोपी नीलेश पाल कई लोगों को कलेक्ट्रेट व अन्य विभागो में सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपया लेकर नौकरी नहीं लगवाया है तथा छ.ग. शासन का फर्जी नियुक्ती पत्र देकर धोखाधड़ी किया है।

प्रार्थिया संध्या सिंह से भी वर्ष 2023 के सितम्बर अक्टूबर माह में 02 लाख 30 हजार रुपया लेकर छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर नया रायपुर छ.ग. तथा कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ.ग. की फर्जी सील व फर्जी हस्ताक्षर किया हुआ तथा फर्जी नियुक्ति पत्र देकर धोखाधड़ी किया व प्रार्थिया को नौकरी नहीं दिलाया है तथा उसके द्वारा दी हुई रकम को भी वापस नहीं कर रहा है कि रिपोर्ट पर थाना पोड़ी में धारा 420, 467, 468, 471, 34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी नीलेश पाल को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर प्रार्थिया संध्या सिंह के अलावा अन्य कई लोगों से नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपये लेना व उन्हें फर्जी नियुक्ती पत्र देना स्वीकार किया। उसके निशानदेही पर पुलिस द्वारा फर्जी नियुक्ती पत्र व सील, मोहर अन्य दस्तावेजों की बरामद की गई है। पुलिस द्वारा आगे की कार्यवाही जारी है।

कर्मचारियों को मिलेगी 7वें वेतनमान की किश्त

आचार संहिता खत्म, अब नगर निकायों में बनेगी हाईटेक लाइब्रेरी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में आचार संहिता खत्म होने के बाद सरकारी कर्मचारियों के अटके हुए वेतन का मसला सुलझाने सरकार ने आदेश दिया है। सबसे पहले निगम, मंडल, आयोग, अर्धशासकीय एवं अनुदान प्राप्त संस्थाओं के कर्मचारियों के वेतन से जुड़ा आदेश जारी किया गया है।

इन कर्मचारियों के 7वें वेतनमान की अंतिम किश्त की राशि के भुगतान की स्वीकृति दी गई है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इसकी मंजूरी दी है। अब कर्मचारियों को फरवरी 2018 से जून 2018 तक की अवधि के बकाया राशि के भुगतान किए जाएंगे। प्रदेश सरकार कुछ खास प्रोजेक्ट भी शुरू करने जा रही है।

कैबिनेट बैठक अगले सप्ताह: अब राज्य में सरकारी स्तर पर कार्यक्रम फिर से शुरू हो जाएंगे। मंत्री सरकारी गाड़ियों से घूम सकेंगे। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। कैबिनेट की भी बैठक होगी। मंत्री क्षेत्र का दौरा भी कर सकेंगे। माना जा रहा है कि अगले सप्ताह साय कैबिनेट की बैठक हो सकती है। इसमें कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे सेक्टर से जुड़े मामलों पर सरकार निर्देश जारी कर सकती है।

गांव को ओडीएफप्लस बनाए जाने हेतु आयोजित हुई कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत जिले को ओडीएफ प्लस मॉडल बनाए जाने हेतु जनपद सभागार मनेंद्रगढ़ में पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्वच्छग्राहियों के मध्य ओडीएफ प्लस ग्राम निर्माण की समझाईश विकसित करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान ओडीएफ प्लस मॉडल गांव प्रमुख आयाम एवं ग्राम पंचायत के उत्तरदायित्व के साथ डोर टू डोर अपशिष्ट संग्रहण एवं पृथक्करण की प्रक्रिया को समझ विकसित की गई। जिससे ग्रामीण अंचलों में भी शहर की तर्ज पर डोर टू डोर अपशिष्ट संग्रहण एवं पृथक्करण का क्रियान्वयन सुचारू रूप से संचालित करने में ग्राम पंचायत की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

कार्यशाला में उपस्थित परियोजना निदेशक नितेश उपाध्याय ने स्पष्ट रूप से ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव को निर्देश दिए हैं कि गांव के चौक चौराहे सार्वजनिक स्थल सामुदायिक सहभागिता से साफ-स्वच्छ प्रतीक होंगे।

रिसोर्स सेग्रीगेशन के आधार पर घर से निकलने वाले गीले कचरे को परिवार के मुखिया या परिवार जनों के द्वारा प्रबंध किया जाएगा एवं घरों से निकलने वाले ठोस अर्थात सूखे कचरे का संग्रहण का कार्य स्वच्छागृही समूह के द्वारा किया जाएगा। परिणाम स्वरूप जहां एक ओर गांव की गंदगी दूर होगी और बीमारियों से निजात मिलेगी वहीं दूसरी ओर स्वयं सहायता समूह की स्वच्छताग्राही महिलाओं को अतिरिक्त आय का स्रोत अपशिष्ट संग्रह कार्य बनेगा, ग्राम पंचायत के माध्यम से प्रतिमाह प्रत्येक परिवार से 10,20 रूपये स्वच्छता शुल्क के रूप में लिया जाएगा। ग्राम पंचायत में सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी करने पर होगी जुर्माने की कार्रवाई साथ सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध हेतु किया जाएगा। कार्यशाला में जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनआरएलएम रितेश पाटीदार, जिला सलाहकार राजेश जैन, ब्लॉक समन्वयक नेहा सिंह, प्रभा प्यासी के साथ ग्राम पंचायत चौनपुर, चौघडा लालपुर, बेलबहरा, नागपुर, महाराजपुर पाराडोल, लाई, परसगडी, शंकरगढ़, चंवरीडांड, पिपरिया सहित ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव एवं स्वच्छ ग्राही उपस्थित रहे।

बस स्टैंड में पुलिस की सरप्राइज चेकिंग

बस ड्राइवरों और टिकट एजेंटों को यात्रियों से बदसलूकी नहीं करने की चेतावनी, सीएसपी ने ली बैठक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर पुलिस ने गुरुवार को भाठागांव बस स्टैंड में सरप्राइज चेकिंग की। पुलिस ने निगम अफसरों के साथ मिलकर बस ड्राइवर और टिकट एजेंटों को यात्रियों से किसी भी तरह की बदसलूकी नहीं करने की चेतावनी दी है। पुरानी बस्ती सीएसपी राजेश देवांगन ने सभी की बैठक भी ली।

टिकरापारा पुलिस की टीम के साथ सीएसपी राजेश देवांगन और निगम के अफसर सरप्राइज चेकिंग करने भाटागांव स्थित बस स्टैंड पहुंचे। यहां उन्होंने यात्रियों से लगातार हो रही बदसलूकी की शिकायतों के बाद बस ड्राइवरों और टिकट एजेंटों को चेतावनी दी। उन्होंने ऐसी शिकायत दोबारा आने पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।

कानूनी एक्शन की बात: इसके अलावा बस स्टैंड में बेवजह घूम रहे असामाजिक तत्वों और बस स्टैण्ड में नशा कर विवाद करने वालों देखते ही सख्त हिदायत दी। उन्हें कानूनी कार्रवाई को लेकर भी चेताया। साथ ही निगम के अफसरों ने वहां मौजूद यात्रियों से समस्या जानकर दूर करने का आश्वासन दिया।

छत्तीसगढ़ में बिलासपुर सबसे गर्म शहर रहा

दोपहर में लू चलने से परेशान रहे लोग, शाम को हल्की बूंदाबांदी से बढ़ी उमस

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर जिले में मौसम के उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। गुरुवार को एक बार फिर तापमान 42.4 डिग्री पहुंच गया। दोपहर में लू चलने से लोग हलाकान होते रहे, फिर शाम को कुछ जगहों पर हल्की बूंदाबांदी होने से उमस बढ़ गई। 6 जून को बिलासपुर छत्तीसगढ़ में सबसे गर्म जिला रहा। बुधवार को तापमान पांच डिग्री कम होकर 37 डिग्री सेल्सियस पर आ गया था।

दरअसल, इस बार बिलासपुर में भीषण गर्मी और उमस ने लोगों का हाल-बेहाल कर दिया है। मई के आखिरी सप्ताह तक हीटवेव से लोग बीमार पड़ रहे थे और घर से निकलना

मुश्किल था। वहीं, अब जून के पहले हफ्ते में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा।

इस बीच प्रदेश के कई इलाकों में हुई बारिश की वजह से तापमान में कर्मी आई। लेकिन, एक बार फिर सूर्य का पारा चढ़ने लगा है। जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। गुरुवार की सुबह से चिलचिलाती धूप और फिर दोपहर में भीषण गर्मी से लू की लहर से लोग परेशान

होते रहे। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून के आगमन में अभी कुछ दिनों की देरी है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है।

लोगों के स्वास्थ्य पर हो रहा असर: भीषण गर्मी के साथ ही उमस के चलते लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर बुजुर्ग और बच्चों पर इसका बुरा प्रभाव दिख रहा है। हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के साथ ही लू से लोग बीमार हो रहे हैं।

इसकी वजह से अस्पतालों में मरीजों की भीड़ कम नहीं हो रही है। डॉक्टरों ने लोगों को घर में रहने, पर्याप्त पानी पीने और हल्के कपड़े पहनने के साथ ही गर्मी से सावधानी बरतने की सलाह दी है।

शाम को बूंदाबांदी ने बढ़ाई उमस: गुरुवार दिन भर सूर्य की आग उगलते किरणों के बाद शाम को आसमान में बदली छाई रही। कई जगहों पर गरम-चमक के साथ हल्की बूंदाबादी हुई। जिससे उमस बढ़ गई और लोग हलाकान होते रहे। घर के बाहर और भीतर पसीने से तर-बतर होकर परेशान लोग अब मानसून का इंतजार कर रहे हैं।

कोटाडोल समिति प्रबंधक से किया जा रहा अवैध वसूली

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कोटडोल के समिति प्रबंधक द्वारा पुलिस को दिए गये शिकायत में बताया है कि राकेश बर्मन व उसके साथियों द्वारा उन्हें छ: माह से पैसा के लिये प्रताड़ित कर रहे है। झूठा केश में फसाने का धमकी दे रहे। कृषक ऋण बैंक से प्राप्त करते है। समिति से नगद ऋण प्रदाय नहीं किया जाता है। उन्हें झूठा बदनाम किया जा रहा है। पुलिस को दिए शिकायत में कहा गया है कि राकेश बर्मन पिता दलवीर बर्मन निवासी भगवानपुर ने माह दिसम्बर में 200000.00 (दो लाख रूपये) का मांग किया, जिसका प्रार्थी मोबाईल में रिकॉर्ड कर लिया है। सभी जगह वीडियो वायरल हुआ है। फिर 26 फरवरी 2024 को समिति कार्यालय में आया। सूचना अधिकार फुड विभाग से निकाला था।

कनाडा में इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकली

भारत बोला- हम कनाडा से जवाब मांगेंगे

कनाडा (एजेंसी)। कनाडा में ऑपरेशन ब्लू स्टार की गुरुवार को 40 वीं बरसी पर इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकाली गई। यह झांकी वैंकूवर में निकाली गई। इसमें इंदिरा गांधी का पुतला दिखाया गया था, जिसमें गोलियों से छलनी किया गया था। साथ ही उनके हत्यारे बेअंत सिंह और सतवंत सिंह को इंदिरा गांधी पर बंदूक ताने दिखाया गया। इसके बाद आज भारतीय अधिकारियों ने कहा है कि वे इस मुद्दे पर कनाडाई अधिकारियों से जवाब मांगेंगे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने मामले में एक लिखित शिकायत कनाडा को भेजने की बात कही है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 6 जून को कनाडा के अलग-अलग शहरों में ऑपरेशन ब्लू स्टार के खिलाफ प्रदर्शन हुए। टोरंटो में प्रदर्शनकारियों ने भारतीय दूतावास के बाहर बड़े पैमाने पर खालिस्तान के झंडे लहराए और भारत विरोधी नारे लगाए गए।

पहले जानिए क्या था ऑपरेशन ब्लू स्टार: खालिस्तान समर्थक जरनैल सिंह भिंडरांवाले को पकड़ने के लिए 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आदेश पर ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया गया था। वह अमृतसर के गोल्डन टेंपल में छिपा था। उसे पकड़ने के लिए 6 जून 1984 को सेना गोल्डन टेंपल और अकाल तख्त साहिब में घुसी और जरनैल सिंह को मार डाला। ऑपरेशन में गोल्डन टेंपल और अकाल तख्त साहिब को नुकसान पहुंचा था। इसकी वजह से सिखों में काफी गुस्सा था। इसके 4 महीने बाद 31 अक्टूबर 1984 को तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सुरक्षा में तैनात दो सिख जवानों ने गोलियां मारकर उनकी हत्या कर दी थी। इसके बाद दिल्ली में सिख विरोधी दंगे भड़क गए थे। लगातार दो साल इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकाली गई कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में जून 2023 को इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकाली गई। झांकी में ऑपरेशन ब्लू स्टार और 1984 के सिख विरोधी दंगों के बैनर भी थे। 4 जून 2023 को खालिस्तानी समर्थकों की ओर से निकाले गए करीब 5 किलोमीटर लंबे नगर कीर्तन में यह झांकी दिखाई गई थी। 6 जून को ऑपरेशन ब्लू स्टार की 39वीं बरसी पर इस झांकी के फोटो-वीडियो पोस्ट किए गए थे।

हूती विद्रोहियों ने यूएन के 9 लोगों को किडनैप किया

इनमें स्टाफ की पत्नी भी शामिल; आर्थिक तंगी के चलते उठाया कदम

यमन (एजेंसी)। यमन में हूती विद्रोहियों ने यूएन एजेंसी से जुड़े कम से कम 9 लोगों का अपहरण कर लिया है। अपहृत लोगों में यूएन ह्यूमन राइट्स एजेंसी, वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के स्टाफ और यूएन के स्पेशल एम्बेसडर के कार्यालय में काम करने वाला एक व्यक्ति भी शामिल है। इसके अलावा एक स्टाफ की पत्नी का भी अपहरण कर लिया गया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक यूएन एजेंसी से जुड़े लोगों ने ये जानकारी दी। यूएन के रिजनल ऑफिसर्स ने नाम न बताने की शर्त पर न्यूज एजेंसी से किडनैप हुए लोगों की पुष्टि की है। फिलहाल न तो हूती विद्रोही और न ही यूएन ने आधिकारिक रूप से इस पर कोई जानकारी नहीं दी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी और अन्य देशों की एयरस्ट्राइक्स की वजह से हूती विद्रोही आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। इससे पहले हूती विद्रोहियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करने के लिए यमन में 44 लोगों को मौत की सजा भी दी थी।

यमन के ईरान समर्थक हूती विद्रोही लाल सागर और हिंद महासागर में अमेरिकी जहाजों को निशाना बना रहे हैं। ऐसा कर वे इजराइल पर गाजा में जंग रोकने का दबाव बना रहे हैं। इन हमलों से बचने के लिए नवंबर से दुनियाभर के कॉमर्शियल जहाज लाल सागर के बदले अफ्रीका से होते हुए गुजर रहे हैं।

संसद परिसर में जाली आधार कार्ड से प्रवेश करने की कोशिश करने वाले 3 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। जाली आधार कार्ड का उपयोग करके उच्च सुरक्षा वाले संसद परिसर में प्रवेश करने का प्रयास करने पर सीआईएसएफ कर्मियों ने तीन मजदूरों को पकड़ लिया। दिल्ली पुलिस ने कासिम, मोनिस और सोएब नाम के तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उन पर जालसाजी और धोखाधड़ी से संबंधित भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए। सूत्रों ने बताया कि नियमित सुरक्षा और पहचान जांच के दौरान मंगलवार को संसद भवन के फ्लैप गेट प्रवेश पर सीआईएसएफ कर्मियों ने तीनों को रोक लिया और हिरासत में ले लिया। सीआईएसएफ ने आगे की जांच में पाया कि उनके आधार कार्ड जाली हैं।

यह घटना सीआरपीएफ और दिल्ली पुलिस की टुकड़ियों की जगह सीआईएसएफ द्वारा संसद परिसर की पूरी सुरक्षा अपने हाथ में लेने के तुरंत बाद हुई। गिरफ्तार किए गए तीन व्यक्तियों को डी वी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा नियुक्त किया गया था, जिसे संसद परिसर के अंदर सांसद के लाउंज के निर्माण के लिए अनुबंधित किया गया था।

सीआईएसएफ ने उन लोगों को

दिल्ली की कोर्ट ने कहा- केजरीवाल ने जमकर प्रचार किया

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव के दौरान जमकर प्रचार किया है। इसका मतलब वे गंभीर बीमारी से पीड़ित नहीं हैं। दरअसल, केजरीवाल ने मेडिकल ग्राउंड पर 7 दिन की अंतरिम जमानत की मांग की थी। सुनवाई करते हुए जज कावेरी बवेजा ने कहा- केजरीवाल को टाइप-2 डायबिटीज है। यह इतनी गंभीर बीमारी नहीं है कि उन्हें जमानत दे दी जाए। केजरीवाल ने प्रचार दौरान कई बैठकें की हैं। कई कार्यक्रमों में भाग लिया। कई जनसभाएं कीं। इससे संकेत मिलता है कि वे किसी भी जानलेवा बीमारी से पीड़ित नहीं हैं। याचिका में कहा गया है कि बीमारी के कारण उन्हें जमानत मिलनी चाहिए, लेकिन जमानत के लिए यह वैध आधार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल ग्राउंड पर जमानत देने के मामलों को सावधानी से डील करना चाहिए। कोई भी जनरल बीमारी आरोपी के जमानत का आधार नहीं बन सकती। केजरीवाल के टेस्ट कस्टडी के दौरान भी कराए जा सकते हैं। कोर्ट में ईडी का पक्ष एएसजी एसवी राजू ने रखा। वहीं, केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील एन हरिहरन पेश हुए। केजरीवाल को 21 मार्च को अरेस्ट किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को उन्हें अंतरिम जमानत दी थी।

नीतीश ने कहा- मैं हमेशा मोदी के साथ रहूंगा

पटना। दिल्ली में शुक्रवार को एनडीए की बैठक हुई। पीएम नरेंद्र मोदी को संसदीय दल का नेता चुना गया। यह बैठक दो घंटे से ज्यादा चली। गठबंधन के 13 नेताओं ने भाषण दिए, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा नीतीश के भाषण और उनके एक वायरल वीडियो की हो रही है। वहीं चिराग पासवान जब भाषण देकर मोदी के पास पहुंचे तो पीएम ने उन्हें गले लगा लिया। दरअसल, नीतीश भाषण देने के बाद मंच की तरफ आए तो उन्होंने पीएम मोदी के पैर छूने की कोशिश की। जैसे ही नीतीश कुमार पैर छूने को बढ़े तो मोदी ने उनके दोनों हाथ पकड़ लिए। इस दौरान दोनों के बीच बातचीत हुई। नीतीश ने सिर झुकाकर अभिवादन किया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। नीतीश कुमार ने कहा, हमारी पार्टी जेडीयू, भाजपा संसदीय दल के नेता नरेंद्र मोदी को भारत के प्रधानमंत्री पद के लिए समर्थन देती है। यह बहुत खुशी की बात है कि 10 साल से ये पीएम हैं और फिर पीएम होने जा रहे हैं। इन्होंने पूरे देश की सेवा की है और उम्मीद है कि अगली बार सब पूरा कर देंगे। हम लोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। हमें लगता है कि इधर-उधर जो थोड़ा जीत गया है न, अगली बार जब आइएगा न ऊ सब हार जाएगा। उन लोगों ने कोई काम नहीं किया है।

एक ही परिवार के तीन बच्चों ने नीट परीक्षा में पाई सफलता

नई दिल्ली। नीट परीक्षा, जिसे देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माना जाता है, में हर साल लाखों छात्र अपनी मेहनत का परिचय देते हैं। 04 जून को घोषित नीट रिजल्ट में एक खास कहानी सामने आई है, जो आगरा के एक परिवार की है। इस परिवार के तीन बच्चों ने नीट परीक्षा पास कर अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है। उत्तर प्रदेश के आगरा के दयालबाग निवासी भोलाराम त्यागी के परिवार में तीन बच्चों का नीट में सिलेक्शन हुआ है।

जिससे पूरे परिवार को गर्व का

12 जून से अमरावती आंध्र की आधिकारिक राजधानी होगी

हैदराबाद। बीते 2 जून से आंध्र प्रदेश बिना आधिकारिक पूर्ण राजधानी के ही काम रहा है, लेकिन 12 जून से राज्य को पहली आधिकारिक राजधानी मिल जाएगी। हैदराबाद से करीब 510 किमी दूर बसी अमरावती ही आंध्र की नई राजधानी होगी। यहीं तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) चीफ चंद्रबाबू नायडू चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इसे राजधानी बनाने में अब तक करीब 25 हजार करोड़ खर्च हो चुके हैं। 2034 तक कुल एक लाख करोड़ खर्च होने हैं। टीडीपी की राष्ट्रीय प्रवक्ता ज्योत्सना के मुताबिक इसी कार्यक्रम के साथ अमरावती राजधानी के रूप में काम करने लगेगी। ज्योत्सना के मुताबिक अमरावती में शपथ के पीछे यही मैसेज देना चाहते हैं कि अब से सरकार अमरावती से ही चलेगी। सबसे पहले सरकारी कर्मचारियों, विधायक, एमएलसी के घर बनाए जाएंगे। अमरावती को आधिकारिक राजधानी बनाने की घोषणा चंद्रबाबू नायडू की सरकार के दौरान 2014 में ही हो गई थी, लेकिन 2019 में जगन के सीएम बनने के बाद यहां काम रोक दिया गया था। दरअसल, 2014 से अब तक हैदराबाद तेलंगाना और आंध्र की संयुक्त राजधानी थी, लेकिन 2 जून को समय सीमा खत्म होने के बाद हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी हो गई।

थप्पड़ कांड के बाद बॉलीवुड पर बरसी कंगना रनौत

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस और मंडी की सांसद कंगना रनौत के साथ गुरुवार को एक शॉकिंग घटना घटी। सांसद बनने के बाद पहली बार दिल्ली जा रही कंगना को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की महिला जवान ने गालीगलौच की और थप्पड़ मारा। महिला जवान, कुलविंदर कौर, को इस घटना के बाद सस्पेंड कर दिया गया है। कंगना ने इस घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। कंगना रनौत के फैंस ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और एक्ट्रेस के समर्थन में आवाज उठाई है। हालांकि, फिल्म इंडस्ट्री से अभी तक किसी ने इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी है, जिससे कंगना आहत हैं। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट के जरिए फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को कॉल आउट किया, लेकिन बाद में इस पोस्ट को डिलीट कर दिया। कंगना ने अपने पोस्ट में लिखा था, डियर फिल्म इंडस्ट्री, आप सभी लोग या तो एयरपोर्ट पर मुझ पर हुए हमले को सेलिब्रेट कर रहे हैं या फिर इस पर पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं। लेकिन याद रखना, अगर कल को आप अपने देश की किसी सड़क पर या दुनिया में कहीं और चल रहे होंगे।

तब कुछ इजरायली/फिलिस्तानी आप या आपके बच्चे पर हमला करते

बंगाल में जहां नरेंद्र मोदी ने प्रचार किया, वहां भाजपा को सबसे ज्यादा सीटें गंवानी पड़ीं

नई दिल्ली। बंगाल में नरेंद्र मोदी ने जहां भी प्रचार किया, वहां भाजपा को सबसे ज्यादा सीटें गंवानी पड़ीं। प्रधानमंत्री पद के लिए चुने गए नरेंद्र मोदी ने 1 मार्च को हुगली के आरामबाग में भाजपा की पहली विजय संकल्प रैली के साथ बंगाल में अपने 2024 के लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की। बंगाल में भाजपा के बड़े लाभ के लक्ष्य के साथ, नरेंद्र मोदी ने राज्य पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने 29 मई को कोलकाता में एक मेगा रोड शो के साथ तीन महीने लंबे अभियान का समापन किया। इस अवधि के दौरान, नरेंद्र मोदी ने 22 जनसभाओं को संबोधित किया और एक रोड शो किया, जो कोलकाता में

उनका पहला रोड शो था। अब जब नतीजे आ गए हैं, तो करीब से देखने पर पता चलता है कि भाजपा के सबसे बड़े स्टार प्रचारक बंगाल में भगवा ब्रिगेड के पक्ष में रुख मोड़ने में विफल रहे।

नीट रिजल्ट में धांधली की आशंका, प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार पर लगाया आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने नीट परीक्षा के परिणाम में धांधली की आशंका को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सरकार को निशाना बनाते हुए कहा कि पहले नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ और अब छात्रों का आरोप है कि इसके रिजल्ट में भी बड़ा घोटाला हुआ है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार लाखों छात्रों की आवाज को अनसुना क्यों कर रही है? पहले नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ और अब छात्रों का आरोप है कि इसके रिजल्ट में भी स्कैम हुआ है। एक ही सेंटर के 6 छात्रों को 720 में से 720 अंक मिलने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं

और कई तरह की अनियमितताओं की बातें सामने आ रही हैं। प्रियंका गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा, पहले नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ और अब छात्रों का आरोप है कि इसके रिजल्ट में भी स्कैम हुआ है। एक ही सेंटर के 6 छात्रों को 720 में से 720 अंक मिलने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं

और कई तरह की अनियमितताओं की

नीट परीक्षा में धांधली हुई, सुको की निगरानी में जांच हो ताकि छात्र-छात्राओं को न्याय मिल सके

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने शुक्रवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (स्नातक) में धांधली का आरोप लगाया और कहा कि इसकी उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच होनी चाहिए ताकि प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को न्याय मिल सके। नीट का परिणाम गत चार जून को घोषित किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने %एक्स% पर पोस्ट किया, पेपर लीक, धांधली और भ्रष्टाचार नीट समेत कई परीक्षाओं का अभिन्न अंग बन गया है। इसकी सीधी ज़िम्मेदारी मोदी सरकार की है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों के लिए भर्ती परीक्षाओं में भाग लेना, फिर अनेकों अनियमितताओं से जूझना, पेपर लीक के चक्रव्यूह में फँसना- उनके भविष्य से खिलवाड़ है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा ने देश के युवाओं को ठगा है। उन्होंने कहा, हमारी मांग है कि उच्चतम न्यायालय की देखरेख में एक उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए जिससे नीट व अन्य परीक्षाओं में भाग लेने वाले हमारे प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को न्याय मिले। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने एक्स पर पोस्ट किया, पहले नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ और अब छात्रों का आरोप है कि इसके परिणाम में भी भ्रष्टाचार हुआ है। पहले नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ और अब छात्रों का आरोप है कि इसके रिजल्ट में भी स्कैम हुआ है। एक ही सेंटर के 6 छात्रों को 720 में से 720 अंक मिलने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और कई तरह की अनियमितताओं की बातें सामने आ रही हैं। एक ही सेंटर के 6 छात्रों को 720 में से 720 अंक मिलने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और कई तरह की अनियमितताओं की बातें सामने आ रही हैं। दूसरी ओर, परिणाम आने के बाद देश भर में कई बच्चों के आत्महत्या करने की खबरें हैं। यह बहुत दुखद और झकझोरने वाला है।

उन्होंने सवाल किया कि सरकार लाखों छात्रों की आवाज को अनसुना क्यों कर रही है? प्रियंका गांधी ने कहा, छात्र-छात्राओं को नीट परीक्षा के परिणाम में धांधली से जुड़े वाजिब सवालों के जवाब चाहिए। क्या सरकार की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वो जांच कराकर इन वाजिब शिकायतों का निस्तारण करे? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी इस मामले की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच की मांग की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में लाखों परीक्षार्थियों के साथ घोटाला पूरी तरह से अस्वीकार्य और अक्षम्य है। यह देश के लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है, जिसकी उच्चतम न्यायालय की देखरेख में उच्च स्तरीय जांच तुरंत होनी चाहिए। उन्होंने कहा, इस साल पहले इसमें पेपरलीक होने का समाचार आया, जिसे दबा दिया गया।

भारत में घुसा चीनी नागरिक, गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। बिहार पुलिस ने मुजफ्फरपुर जिले में वीजा समेत वैध यात्रा दस्तावेज न रखने पर एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शख्स के पास कोई वैध वीजा नहीं था और वह अवैध रूप से देश में घुसा था। मुजफ्फरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश कुमार ने शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा, पुलिस ने गुरुवार को मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मी चौक के पास एक चीनी नागरिक (ली जियाकी) को गिरफ्तार किया, क्योंकि उसके पास वीजा समेत वैध यात्रा दस्तावेज नहीं थे। उनके खिलाफ विदेशी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसएसपी ने कहा, पुलिस ने उसके कब्जे से एक चीनी नक्शा, एक मोबाइल फोन और तीन छोटी पत्थर की मूर्तियां भी बरामद की हैं।

महाराष्ट्र के निर्दलीय सांसद ने कांग्रेस को समर्थन दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक में 6 जून को भी काफी हलचल रही। सांगली से निर्दलीय विधायक विशाल पाटिल ने कांग्रेस को समर्थन दिया। मल्लिकार्जुन खड़गे के घर हुई बैठक में कई नेता आपस में मिले। मुंबई में अभिषेक बनर्जी और डेरेक ओ ब्रायन उद्धव ठाकरे से मिलने पहुंचे। इंडिया ब्लॉक में 6 जून को भी काफी हलचल रही। सांगली से निर्दलीय विधायक विशाल पाटिल ने कांग्रेस को समर्थन दिया। मल्लिकार्जुन खड़गे के घर हुई बैठक में कई नेता आपस में मिले। मुंबई में अभिषेक बनर्जी और डेरेक ओ ब्रायन उद्धव ठाकरे से मिलने पहुंचे। लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद आज (7 जून) तीसरा दिन है। ड्ढ.ह्ल.ड्ढ. ब्लॉक में गहमागहमी का दौर जारी है। महाराष्ट्र के सांगली से निर्दलीय चुनाव जीतने वाले विशाल पाटिल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात करके कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को समर्थन देने का ऐलान किया। उधर दिल्ली में

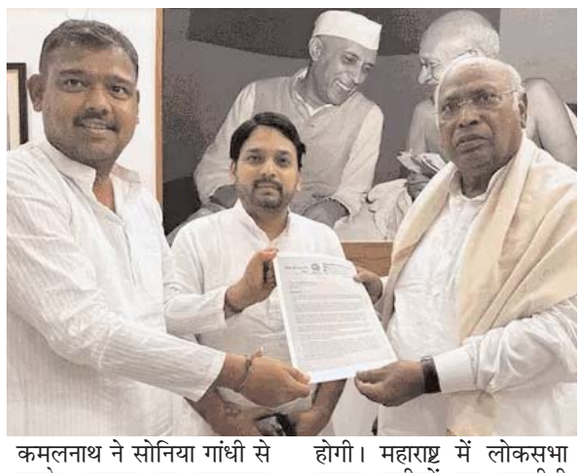

कमलनाथ ने सोनिया गांधी से उनके आवास पर मुलाकात की। बाहर निकलने के बाद कमलनाथ ने कहा- हम चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार पर नजर बनाए हुए हैं कि वे क्या कर रहे हैं।

आज मुंबई में कांग्रेस नेताओं की बैठक दोपहर एक बजे होगी। इसमें नवनिर्वाचित सांसद शामिल होंगे। मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में कल (8 जून) को पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक होगी। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव नतीजों पर एनसीपी (शरद गुट) नेता रोहित पवार ने कहा, बीजेपी ने हमारी पार्टी तोड़ी, परिवार तोड़ा। जनता ने अब उन्हें जवाब दे दिया है। गुजरात के बनासकांठा से कांग्रेस की नवनिर्वाचित सांसद जेनीबेन ठाकोर ने कहा- मेरे गांव के लोगों ने आज मेरा स्वागत किया और मुझे सम्मान दिया। मैं यहां अपने माता-पिता से मिलने आई हूं। मैं आज दिल्ली जाऊंगी। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी को बुलाया है। सभी सांसद कल लंच करेंगे। कांग्रेस नेता कमलनाथ कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास से रवाना हुए। उन्होंने कहा, हमने मध्य प्रदेश और देश में मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। क्या हो रहा है और क्या होना चाहिए, हमने इस पर चर्चा की। हम देख रहे हैं कि चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार क्या कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह एन चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार से बात करेंगे, तो उन्होंने कहा, मैं उनसे बात नहीं करूंगा। भाजपा उनसे बात कर रही है। अगर भाजपा सोचती है कि नीतीश और नायडू घर बैठ जाएंगे, तो ऐसा नहीं होने वाला है। यह मोदी सरकार नहीं है, यह एनडीए सरकार है। वे सभी एनडीए में एक साथ हैं, एनडीए में सभी की अपनी हिस्सेदारी है। समाजवादी पार्टी अब उन बागी विधायकों की सदस्यता रद्द करने की तैयारी में है, जिन्होंने राज्यसभा चुनाव में पार्टी के खिलाफ जाकर भाजपा के पक्ष में वोट किया था।

यूएसए के खिलाफ मुकाबले में हारिस रऊफ ने गेंद से की छेड़छाड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को यूएसए और पाकिस्तान के बीच टी20 वर्ल्ड कप का मुकाबला खेला गया। जिसे एतिहासिक रूप से अमेरिका ने सुपर ओवर में जीत लिया। वहीं डैलास में हुए इस मैच में रस्टी थेरॉन ने पाक टीम पर गेंद से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है, जिसके चलते पाकिस्तान के खिलाफ हारिस रऊफ सुर्खियों में आ गए। यूएसए के तेज गेंदबाज रस्टी थेरॉन साउथ अफ्रीका के लिए भी इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके हैं और उनके नाम 18 टी20 इंटरनेशनल में 24 विकेट दर्ज हैं। थेरॉन ने हारिस रऊफ पर यूएसए के खिलाफ मैच में बॉल टेंपरिंग यानी गेंद से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। थेरॉन का कहना है कि हारिस ने अंगूठे के नाखून से गेंद के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की है। रस्टी थेरॉन ने ट्वीट करते हुए लिखा कि, क्या हम सिर्फ ये दिखावा करने जा रहे हैं कि पाकिस्तान इस ताजा बदली हुई गेंद से कुछ नहीं कर रहा है? उस गेंद को रिवर्स करना जो अभी 2 ओवर पहले बदली गई? आप सचमुच हारिस राउफ को गेंद के टॉप पर अपने अंगूठे के नाखून को चलाता हुआ देख सकते हैं। हालांकि, कथित रूप से हारिस रऊफ द्वारा की गई गेंद से छेड़छाड़ का कोई भी सबूत अभी नहीं है और यूएसए की टीम ने भी कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं की है।

कंगान रनौत को थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ महिला के सपोर्ट में उतरे बजरंग पुनिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। कंगना रनौत के थप्पड़ कांड लगातार गर्माता जा रहा है। इसमें कोई एक्ट्रेस के सपोर्ट में बात कर रहा है तो कोई सीआईएसएफ महिला जवान का समर्थन कर रहा है। इस बीच पहलवान बजरंग पूनिया ने महिला जवान का समर्थन किया है। उन्होंने ट्वीट कर पोस्ट साझा किया है। बीते दिन नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ महिला जवान ने थप्पड़ जड़ दिया था। वहीं इसके पीछे की वजह दी थि कि एक्ट्रेस ने किसान आंदोलन के दौरान महिलाओं पर गलत टिप्पणी की थी कि वो 100-100 रुपये के लिए बैठती हैं। इसी बीच अब पहलवान बजरंग पुनिया ने भी पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्विटर पर पोस्ट शेयर कर नैतिकता की बातें करने वालों से सवाल किया है। उन्होंने लिखा कि, जब महिला किसानों के लिए अनाप शनाप बोला जा रहा था तब कहां थे नैतिकताएं पढ़ाने वाले लोग! अब उस किसान मां की बेटी ने गाल लाल कर दिया तो शांति का पाठ पढ़ाने आ गए। सरकारी जुल्म से किसान मारे गए उस समय ये शांति पाठ पढ़ाना था हूकूमत को।

दबाव पाकिस्तान पर था, दर्शकों का समर्थन उन पर भारी पड़ा-मोनांक पटेल

डलास (एजेंसी)। पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद अमेरिकी कप्तान मोनांक पटेल ने कहा कि उनकी टीम ने सुपर ओवर तक चले टी20 विश्व कप के मुकाबले में दबाव महसूस नहीं किया और दर्शकों का समर्थन बाबर आजम की टीम पर भारी पड़ गया। पटेल के अर्धशतक के दम पर अमेरिका ने 2009 की चैम्पियन पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराया।

पटेल ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' हमें निर्धारित समय में ही जीत लेना चाहिये था और यह मैच सुपर ओवर में नहीं जाना चाहिये था। हमने जिस संयम के साथ खेला और सुपर ओवर में 18 रन बनाने से हमारा पलड़ा भारी हो गया।'' उस समय टीम में क्या बात हो रही थी, यह पूछने पर उन्होंने कहा ,'' हम यही बात कर रहे थे कि हम पर कोई दबाव नहीं है। सारा दबाव पाकिस्तान पर है। हमें पता था कि दर्शक पाकिस्तान के साथ ज्यादा है। यही उन पर भारी पड़ जायेगा और हम अच्छा खेले तो उन पर दबाव अधिक होगा।'' गुजरात के आणंद में जन्मे पटेल ने कहा कि उनकी टीम ने पावरप्ले में जबर्दस्त गेंदबाजी की।

उन्होंने कहा ,'' हमने पावरप्ले के छह ओवरों में उन्हें रन नहीं बनाने दिये और दबाव में रखा। इससे हमें मदद मिली। हमारा लक्ष्य टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का ही था। हमें पता था कि पहले आधे घंटे में तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी।इस मैदान पर 160 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था।

पाकिस्तान को रौंदकर यूएसए ने लगाई लंबी छलांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 पॉइंट्स टेबल में गुरुवार 6 जून को हुए मुकाबलों में काफी बदलाव देखने को मिला। ग्रुप-ए में संयुक्त राज्य अमेरिका पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराकर टॉप पर काबिज हो गई हैं। वहीं स्कॉटलैंड ने नामीबिया के खिलाफ जीत दर्ज कर ग्रुप-बी में बाजी मारी है। स्कॉटलैंड ने ऑस्ट्रेलिया से नंबर -1 का ताज छीना है। इसके अलावा ग्रुप-सी में अफगानिस्तान और ग्रुप-डी में साउथ अफ्रीका टॉप पर बना हुआ है। वहीं बता दें कि, ग्रुप ए में भारतीय टीम पहले आयरलैंड को हराकर टॉप पर काबिज थी, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ मिली यूएसए को जीत ने भारत से नंबर 1 की स्थिति छीन ही है। अमेरिका 4 पॉइंट्स के साथ ग्रुप- ए की पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है। वहीं भारत 2 अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है। ग्रुप में शामिल अन्य तीन टीमें पाकिस्तान, कनाडा और आयरलैंड का अभी खाता तक नहीं खुल पाया है।

नींद से जागा आईसीसी, न्यूयॉर्क पिच सुधारने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देर आए दुरुस्त आए.. जी हां ये कहावत आईसीसी पर बिलकुल सटीक बैठती है। दरअसल, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने माना कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 में न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी स्टेडियम की अबतक इस्तेमाल की गई दो पिचें बेहद ही घटिया स्तर की रही हैं। इस वेन्यू पर बाकी के बचे मुकाबलों से पहले इस समस्या का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। 9 जून यानी रविवार को इसी मैदान पर क्रिकेट जगत की दो चिर परिचित प्रतिद्वंद्वी टीमें भारत और पाकिस्तान टकराएंगी। भारत और आयरलैंड के बीच बुधवार को इसी मैदान में मुकाबला खेला गया। इस मुकाबलें में बल्लेबाजों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जिसके बाद आईसीसी ने कहा कि नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अब तक इस्तेमाल की गई पिचें उतनी निरंतरता से नहीं खेली हैं, जितनी हम सभी चाहते थे। विश्व स्तरीय मैदान वाली टीम कल के खेल के समापन के बाद से स्थिति को सुधारने और शेष मैचों के लिए बेहतर प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। बता दें कि, न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम को पार्क में बनाया गया है। इसे बनाने में महज 5 महीने का समय लगा है। यहां फ्लोरिडा में बने ड्रॉप इन पिचों का इस्तेमाल हो रहा है। इस स्टेडियम में पहला मैच साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के बीच 3 जून को खेला गया था। पिच नंबर-1 पर खेले गए इस मैच में श्रीलंका की टी77 रन पर ही ऑलआउट हो गई थी। साउथ

अफ्रीका को टारगेट हासिल करने में भी 16.2 ओवर लग गए थे। 5 जून को भारत और आयरलैंड के बीच पिच नंबर-4 पर हुआ। जहां आयरलैंड की टीम 96 रन पर ही ऑलआउट हो गई थी। भारतीय टीम 8 विकेट से ये मैच जीती, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा और ऋषभ पंत को खूब चोट लगी। इस दौरान तो रोहित शर्मा को कंधे में चोट लगने के कारण रिटायर हर्ट होना पड़ा। पिच नंबर 2 और 3 का अभी तक इस्तेमाल नहीं किया गया है। इनमें से एख पिच से घास काट दी गई है।

अमेरिका को हलके में लेना भारी पड़ा , बाबर आजम ने किया स्वीकार

डलास (एजेंसी)। अमेरिका के हाथों टी20 विश्व कप के पहले मैच में सुपर ओवर में मिली अप्रत्याशित हार से स्तब्ध पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने स्वीकार किया कि विरोधी टीम को हलके में लेना उनकी टीम पर भारी पड़ गया। अमेरिका ने टूर्नामेंट का पहला उलटफेर करते हुए पूर्व चैम्पियन और पिछले उपविजेता पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराया। पाकिस्तान को पिछले टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने हराया था और हाल ही में बाबर आजम की टीम द्विपक्षीय श्रृंखला में आयरलैंड से हारी है। बाबर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' किसी भी टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ तैयारी जरूरी होती है। यह मानसिकता की बात है। सहयोगी देशों जैसी टीम के खिलाफ आप चीजों को हलके में ले लेते हैं।'' उन्होंने कहा ,'' आप अपनी रणनीति पर अमल नहीं कर पाते और सामने वाली टीम आपको हरा देती है। हमारे साथ यही हुआ। हमारी तैयारी अच्छी थी लेकिन मैच में हम रणनीति पर अमल नहीं कर सके।'' उन्होंने कहा ,'' मैं निराश हूं। हमने तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हमने पहले छह ओवर का फायदा नहीं उठाया और दसवें ओवर के बाद लगातार विकेट गंवाते गए जिससे लय ही नहीं बन सकी। बल्लेबाजों को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा।'' उन्होंने गेंदबाजों के बारे में कहा ,'' हम इससे बेहतर कर सकते थे। पहले छह ओवर में हम विकेट ही नहीं ले सके। बीच के ओवरों में स्पिनरों को विकेट नहीं मिलने से हम पर दबाव बना।'' पाकिस्तान को रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से खेलना है।

अमेरिका से हार के बाद पाकिस्तानी टीम पर बरसे पूर्व गेंदबाज वसीम अकरम

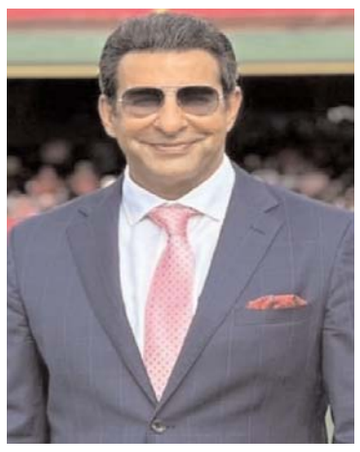

डलास (एजेंसी)। महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अमेरिका के खिलाफ सुपर ओवर में मिली हार पर पाकिस्तान की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि अब टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाना बाबर आजम की टीम के लिये कठिन होगा। अकरम ने स्टार स्पोर्टर्स से कहा ,'' निराशाजनक प्रदर्शन। हार और जीत खेल का हिस्सा है लेकिन अंतिम गेंद पर लड़ना जरूरी है।पाकिस्तान क्रिकेट के लिये यह बुरा दिन था।'' उन्होंने कहा ,'' अब पाकिस्तान को सुपर आठ चरण में जगह बनाने के लिये जूझना होगा क्योंकि अब उसे भारत (नौ जून) के बाद दो और अच्छी टीमों (आयरलैंड और कनाडा) से खेलना है।'' पाकिस्तान की 1992 विश्व कप जीत के नायक ने कहा कि मैच का निर्णायक मोड़ अमेरिका को शुरूआती विकेट मिलना था। उन्होंने कहा ,'' मैच का निर्णायक मोड़ यही था कि अमेरिका ने शुरूआती विकेट चटकाये। पाकिस्तान के लिये बाबर और शादाब ने छोटी सी साझेदारी की लेकिन उनके अलावा कोई नहीं चला। फील्डिंग बहुत खराब थी। कुल मिलाकर प्रदर्शन अच्छा नहीं था।'' रिवर्स स्विंग के सुल्तान ने कहा ,'' मुझे और पाकिस्तान के हर प्रशंसक को यकीन था कि हम अमेरिका को हरायेंगे। लेकिन सुपर ओवर में 18 रन देने के बाद उम्मीदें ध्वस्त हो गई। अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल ने मैच में शानदार बल्लेबाजी की और मोर्चे से अगुवाई की।

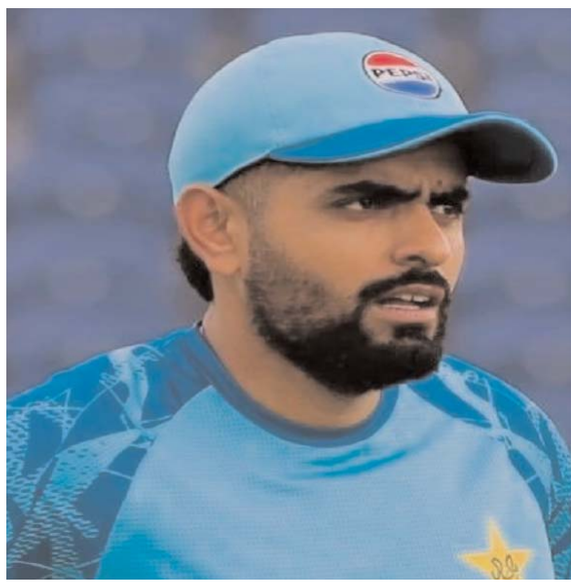

केएल राहुल और जयदेव उनादकट के साथ खेल चुके हैं सौरभ नेत्रवलकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 6 जून का दिन एतिहासिक दिन के तौर पर जाना जाएगा। दरअसल, इस दिन टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। जहां न्यूयॉर्क के नसाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर मेजबान अमेरिका ने पाकिस्तान को सुपर ओवर में धो दिया। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इस मैच में तीनों डिपार्टमेंट में अमेरिका से मात खा गई और इस तरह से उसे आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपने सफर का आगाज हार के साथ करना पड़ा। वहीं अमेरिका की ये लगातार दूसरी जीत है। पाकिस्तान को अपना दूसरा मुकाबला इसी मैदान पर 9 जून को भारत के खिलाफ खेलना है। अमेरिका की तरफ से कप्तान मोनांक पटेल और सौरभ नेत्रवलकर दोनों ने दमदार प्रदर्शन किया। दोनों ही भारतीय मूल के हैं। मोनांक को उनकी दमदार फिफ्टी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस मैच के बाद से हर तरफ सौरव नेत्रवलकर की चर्चा हो रही है। नेत्रवलकर का जन्म मुंबई में हुआ था और ये खिलाड़ी भारत के लिए अंडर-19 वर्ल्ड कप भी खेल चुका है। 2010 में खेले गए आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप में सौरभ भारतीय टीम का हिस्सा थे और इतना ही नहीं उन्होंने भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच भी खेला गया था, जहां भारत को आखिरी ओवर में दो विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में सौरभ ने पांच ओवर में 16 रन देकर एक विकेट झटका। उन्होंने पाकिस्तान के अहमद शहजाद को आउट किया था। 14 साल पहले भले ही वह अपनी टीम को पाकिस्तान के खिलाफ जीत नहीं दिला पाए थे, लेकिन 14 साल बाद उन्होंने जिस तरह से पाकिस्तान के खिलाफ गेंदबाजी की और फिर सुपर ओवर भी दमदार फेंका, उन्होंने 14 साल पुरानी हार का बदला ले लिया। 2010 अंडर-19 वर्ल्ड कप में केएल राहुल, मयंग अग्रवाल, संदीप शर्मा और जयदेव उनादकट जैसे खिलाड़ी भारतीय टीम का हिस्सा थे। वहीं बाबर आजम, अहमद शहजाद और उस्मान कादिर पाकिस्तान टीम का हिस्सा थे।

पेरिस ओलंपिक से पहले प्रदर्शन में सुधार करना चाहेगी भारतीय हॉकी टीम

लंदन (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए भारतीय पुरूष हॉकी टीम इस सप्ताह के आखिर में जर्मनी और ब्रिटेन के खिलाफ एफआईएच हॉकी प्रो लीग के मुकाबलों में अपने प्रदर्शन में सुधार के इरादे से उतरेगी। भारत को शनिवार को विश्व चैम्पियन जर्मनी से खेलना है जबकि रविवार को ब्रिटेन से मुकाबला होगा। बेल्जियम चरण और लंदन में दो मैचों के बाद भारत 14 मैचों में 24 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। जर्मनी छठे और ब्रिटेन सातवें स्थान पर है। उपकप्तान हार्दिक सिंह ने कहा ,'' हमने कुछ अच्छी हॉकी खेली लेकिन कुछ क्षेत्रों में सुधार करना होगा। इन दो मैचों में हमारा लक्ष्य आक्रामक शुरूआत करने का होगा। हम अच्छी हॉकी खेलकर लय बनाये रखने की कोशिश करेंगे।'' बेल्जियम में भारत ने शूटआउट में अर्जेंटीना को हराया लेकिन बेल्जियम से 1 . 4 से हार गई। बेल्जियम ने उसे शूटआउट में हरया जिसके बाद भारत ने अर्जेंटीना को 5 . 4 से मात दी। लंदन में भारत ने जर्मनी को 3 . 0 से हराया लेकिन ब्रिटेन से 1 . 3 से टीम हार गई। हार्दिक ने कहा ,'' पूरी टीम को पता है कि पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिये प्रो लीग के मैच कितने अहम है लिहाजा हम कोई कोर कसर बाकी नहीं रखेंगे।

सरबजोत ने म्यूनिख निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरबजोत सिंह ने गत विश्व चैंपियन और चार बार के ओलंपियन की मौजूदगी वाली पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर गुरुवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप में भारत के पदक का खाता खोला। भारत के 22 साल के सरबजोत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 242.7 अंक जुटाए। उन्होंने चीन के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चीन के बू शुआईहेंग को 0.2 अंक से पछाड़ा। जर्मनी के रोबिन वाल्टर ने कांस्य पदक जीता। सरबजोत ने बुधवार को क्वालीफाइंग में 588 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल में गत विश्व चैंपियन चीन के बोवेन झेंग और तुर्की के चार बार के ओलंपिक यूसुफ डिकेक भी चुनौती पेश कर रहे थे। सरबजोत ने हालांकि फाइनल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में अपना दूसरा व्यक्तिगत पदक जीता। इससे पहले उन्होंने पिछले साल भोपाल में भी स्वर्ण पदक जीता था। युवा भारतीय निशानेबाज ने शुरुआती पांच शॉट में तीन बार 10 से अधिक अंक जुटाकर शुरुआती बढ़त बनाई। सरबजोत ने लगातार अच्छी निशानेबाजी की और 14वें शॉट से पहले तक बढ़त बरकरार रखी जब वाल्टर ने उनकी बराबरी कर ली। सरबजोत ने 15वें शॉट में 10.8 अंक के साथ अपना दावा मजबूत किया जबकि वाल्टर 8.6 अंक ही जुटा पाए। पांचवें नंबर पर झेंग के बाहर होने के बाद वाल्टर ने डिकेक को पछाड़कर कांस्य पदक जीता।

कलेक्टर मैहर की समझाईस पर गरबाधा तालाब से लोगों ने हटाया अतिक्रमण

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब में चलाया गया सफाई कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी जिलों में जल संरचनाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिये जल गंगा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शुक्रवार को मैहर के गरबाधा तालाब में स्वच्छता अभियान चलाया जाना था। लेकिन तालाब की जमीन पर वर्षों से जमा अतिक्रमण अभियान की गतिविधियों के संचालन में बाधा बन रहा था। अभियान के सुचारु संचालन के लिये कलेक्टर मैहर रानी बाटड द्वारा गरबाधा तालाब पहुंचकर तालाब की जमीन पर अतिक्रमण किये हुये लोगों को अतिक्रमण की गई भूमि को स्वेच्छा से मुक्त कर देने की समझाईस दी गई। उन्हाने रहवासियों से कहा कि किसी को भी पूरी तरह से घर

मकान नही हटाया जाएगा और अभी जितनी जरूरत उतनी ही तोड़ा जाएगा, तालाब की मेड़ पर पिच बनाना है। कलेक्टर की समझाईस को स्वीकार करते हुये अतिक्रमणकारियों द्वारा वर्षों से अतिक्रमण की गई भूमि से अपना सामान स्वयं हटा लिया गया। अतिक्रमण हटाने में नगर पालिका मैहर के कर्मचारियों ने भी मशीनरी का प्रयोग करते हुये अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को गति प्रदान की। इसके उपरांत जल गंगा अभियान के तहत जनसहयोग से तालाब की साफ-सफाई का अभियान चलाया गया। इस मौके पर सीएमओ लालजी ताम्रकार, संतोष सोनी सहित स्थानीय जन उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि राज्य शासन द्वारा जल स्त्रोतों के संरक्षण-संवर्धन एवं पुनर्जीवन के लिये जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सतना और मैहर जिले की जल संरचानाओं को संरक्षित करने तालाबों, नदियों सहित जल स्त्रोतों की साफ-सफाई का कार्यक्रम जन सहयोग से चलाया जा रहा है। अभियान की कड़ी में कलेक्टर मैहर रानी बाटड द्वारा गरबाधा तालाब का निरीक्षण करने पर तालाब के जल आवक के रास्ते में अवैध अतिक्रमण होना पाया गया। जो तालाब के भराव में बाधक बन रहा था। जिस पर कलेक्टर बाटड ने तालाब की भूमि पर अतिक्रमण करने वाले लोगों से बातचीत कर प्रशासन का सहयोग करने की समझाइस दी गई। कलेक्टर ने स्थानीय रहवासियों को जल संवर्धन और तालाबों के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि ये तालाब का जल आपके ही उपयोग में आएगा और तालाब के भर जाने से जलस्तर बढ़ेगा और बारह महीने पानी उपलब्ध हो सकेगा। कलेक्टर की समझाइश के बाद संबंधित लोगो ने स्वेच्छा से तालाब की भूमि पर किये गये अतिक्रमण को हटाने की सहमति दी।

सीएसआर का शैल्फऑफप्रोजेक्ट जिला स्तर से बनेगा

जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। औद्योगिक संस्थानों द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत अपनी तैयार कार्य योजना के अनुसार सामाजिक कार्यों में राशि खर्च की जाती रही है। राज्य शासन के निर्णय अनुसार अब जिले में स्थापित औद्योगिक संस्थानों को अपनी सीएसआर के कार्यों की कार्य योजना जिला स्तर पर समिति को प्रस्तुत करनी होगी। इसके आधार पर जिला स्तरीय कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति द्वारा जिले के सीएसआर का शैल्फ ऑफ प्रोजेक्ट तैयार कर राज्य शासन को प्रस्तुत किए जाएंगे। इस आशय की जानकारी शुक्रवार को कलेक्टर अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय सीएसआर समिति की बैठक में दी गई। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, कार्यपालिक निदेशक मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन रीवा तिवारी, प्रबंधक आरके सिंह एवं प्रिज्म सीमेंट, यूनिवर्सल केबल, सतना सीमेंट, पावरग्रिड, एथेनॉल प्लांट मझगवां, बैतूल ऑयल मिल सहित अन्य औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम द्वारा सीएसआर के क्षेत्राधिकार अंतर्गत सामाजिक दायित्व की गतिविधियों को फैसिलिटेट करने एवं उनके क्रियान्वयन को सुव्यस्थित करने के उद्देश्य से सीएसआर सेल भी बनाया गया है। मध्यप्रदेश में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व का पोर्टल विकसित किया गया है। प्रदेश और जिला स्तर पर कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के क्रियान्वयन की समीक्षा करने राज्य और जिला स्तरीय समितियां गठित की गई हैं। जिला स्तर से शैल्फ ऑफ प्रोजेक्ट तैयार कर राज्य स्तरीय समिति को प्रस्तुत किए जाएंगे। जिला स्तरीय समिति कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित की गई है। सीईओ जिला पंचायत समिति में सदस्य/सचिव होंगे।

कलेक्टर अनुराग वर्मा ने कहा कि जिन वृहद औद्योगिक संस्थानों द्वारा अपना पंजीयन सीएसआर पोर्टल पर नहीं कराया गया है। ऐसे संस्थान एक सप्ताह में अपना पंजीयन पोर्टल पर सुनिश्चित करायें। इसके साथ ही सभी औद्योगिक संस्थान विगत 3 वर्षों में सीएसआर मद में व्यय की गई राशि और कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करें। शेल्फ ऑफ प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए सभी वृहद औद्योगिक संस्थानों से आगामी सीएसआर की कार्ययोजना भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

मैहर जिले में आयोजित हुईं जल गंगा अभियान की गतिविधियां

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश सहित मैहर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान 5 जून से प्रारंभ किया गया है और आगामी 16 जून तक चलाया जाएगा। इसके तहत जिले के तालाबों, चेक डेम, स्टाप-डेम, बावड़ियों व सार्वजनिक उपयोगी कूपों के गहरीकरण और मरम्मत के लिए आवश्यक गतिविधियां जनसहयोग के माध्यम से की जा रही हैं। कलेक्टर मैहर रानी बाटड के मार्गदर्शन में जल गंगा अभियान के तहत शुक्रवार को मैहर जिले में अभियान की गतिविधियों का क्रियान्वयन किया गया। अभियान के तहत जनपद पंचायत अमरपाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत झांझबरी, सोनवारी में जनसहयोग से तालाब के गहरीकरण का कार्य किया गया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत बराखुर्द और बदेरा में तालाब एवं नाले की सफाई का कार्य स्थानीय प्रतिनिधियों एवं नागरिकों द्वारा

किया गया। अभियान के तहत ग्राम पंचायत परसवाही में तालाब की पिचिंग, ग्राम पंचायत अमझर में खेत तालाब का निर्माण, सेमरिया में रिचार्ज पिट की सफाई, ग्राम पंचायत गोरा में स्टाप डेम की सफाई, ग्राम बरेंहबड़ा में कुओं की सफाई, ग्राम पंचायत कस्तरा में अमृत सरोवर के किनारे वृक्षारोपण, ग्राम ऐरा और मतहा के तालाबों में उगी हुई वनस्पतियों की निकासी का कार्य किया गया। इसी प्रकार जनपद पंचायत अंतर्गत अन्य ग्राम पंचायत में भी अभियान के समर्थन में जनभागीदारी और जनसहभागिता से जल गंगा अभियान की गतिविधियां आयोजित की गईं।

अभियान की कड़ी में रामनगर जनपद की ग्राम पंचायत सगौनी खुर्द में रजली नाला की गाद निकासी के लिये एकजुट होकर श्रमदान किया। ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों द्वारा ग्रामीणजनों को अभियान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। ग्राम पंचायत की सरपंच आरती मिश्रा, सचिव रामगोपाल विश्वकर्मा, जीतेंद्र पांडेय सहित ग्रामीणजनों ने सफाई कार्य में सहयोग प्रदान किया।

नाबालिग से रेप के मामले में होटल संचालक को जेल

बिना पहचान पत्र लिए आरोपी को कमरा देने पर हुई कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर के एक होटल संचालक को बिना आईडी प्रूफ लिए दुष्कर्म के आरोपी को होटल में कमरा देना महंगा पड़ गया। नाबालिग से रेप के मामले में होटल संचालक भी उलझ गया है। पुलिस ने उसे पकड़कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक, मैहर के स्टेट बैंक चौराहे के पास स्थित दर्शनी होटल के संचालक जितेंद्र दहायत (26) को गिरफ्तार किया गया है। उसकी गिरफ्तारी आईपीसी की धारा 109 एवं 17 पॉक्सो एक्ट के तहत एक नाबालिग से हुए रेप के मामले में की गई है। वह रेप का आरोपी नहीं है, लेकिन उसने रेप के आरोपी को बिना पहचान पत्र लिए अपने होटल में कमरा देने

की गलती की थी।

पुलिस ने बताया कि नाबालिग ने नादन देहात थाना निवासी मोहित कोल के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया था कि मोहित उसे अपने साथ होटल ले गया था, जहां कमरा बुक करा कर उसने पीड़िता के साथ दरिंदगी की।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। जांच के दौरान जब पुलिस साक्ष्य संकलन के लिए होटल पहुंची और उसने होटल संचालक जितेंद्र दहायत से बुकिंग रजिस्टर तथा रूम बुक कराने वालों की आईडी मांगी तो पता चला कि जितेंद्र ने बिना किसी लिखा-पढ़ी के बगैर दस्तावेज लिए कमरा दे दिया था।

विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला 10 से 20 जून तक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शासकीय आईटीआई सतना एवं जिला रोजगार कार्यालय सतना द्वारा सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर पद की भर्ती के लिये जिले की समस्त शासकीय आईटीआई संस्थाओं में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजित किया जा रहा है।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 10 जून से 20 जून तक जिले की शासकीय आईटीआई संस्थाओं में अलग-अलग तिथियों में प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित कर एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस में सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर पद के लिये योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 10 जून को शासकीय महाविद्यालय रामपुर बघेलान, 11 जून को शासकीय आईटीआई सतना, 12 जून को शासकीय आईटीआई अमरपाटन, 13 जून को शासकीय आईटीआई मैहर, 14 जून को शासकीय आईटीआई उचेहरा, 15 जून को शासकीय आईटीआई नागौद, 18 जून को शासकीय आईटीआई रामनगर, 19 जून को शासकीय आईटीआई बिरसिंहपुर तथा 20 जून को जिला रोजगार कार्यालय सतना में प्रात: 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिसमें आयु 19 से 40 वर्ष आयुवर्ग तथा 10वीं पास/फेल, 12वीं उत्तीर्ण बेरोजगार आवेदक अपने मूल रिकार्ड के साथ निर्धारित स्थान पर उपस्थित हो सकते हैं।

टीसी प्रदाय नहीं करने पर सेंट्रल एकेडमी विद्यालय मैहर को नोटिस

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मैहर रानी बाटड ने सेंट्रल एकेडमी विद्यालय हरनामपुर द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत छात्र अंशुमान शुक्ला को टीसी (स्थानांतरण प्रमाण पत्र) नहीं देने पर विद्यालय के संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी की है। नोटिस का जवाब स्पष्टीकरण के साथ 3 दिवस के अंदर देने को कहा गया है।

कलेक्टर द्वारा विद्यालय के संचालक को जारी नोटिस में कहा गया है कि आपके विद्यालय में अध्ययनरत छात्र अंशुमान शुक्ला के पिता अनंत कुमार शुक्ला द्वारा छात्र के अन्यत्र विद्यालय में प्रवेश के संबंध में विद्यालय प्रबंधन से टीसी की मांग के लिये आवेदन किया गया। जिस पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा आवेदनकर्ता को टीसी प्रदान नहीं की गई। साथ ही आवेदनकर्ता द्वारा विद्यार्थी की शेष फीस का भुगतान करने के लिये चेक भी प्रदान किया गया। जिसे विद्यालय प्रबंधन द्वारा स्वीकार नहीं किया गया। जिसके फलस्वरुप अंनत कुमार शुक्ला द्वारा कलेक्टर कार्यालय मैहर को आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया कि बकाया फीस की राशि चेक के माध्यम से जमा की जा रही है, लेकिन विद्यालय द्वारा फीस नहीं ली जा रही है और न ही टीसी प्रदाय की जा रही है। छात्र की फीस जमा न होने से अलग कमरे में बंद कर दिया जाता है। शिकायर्ता के आवेदन पर कार्यवाही कर विद्यालय के संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुये तीन दिवस में स्पष्टीकरण के साथ जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया है।

प्रिंटिंग प्रेस संचालक पर जानलेवा हमला

गवाही पलटने से किया इंकार तो लाठी-डंडे से पीटा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना शहर के कंपनी बाग के पास स्थित एक प्रिंटिंग प्रेस के संचालक पर बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। हासिल जानकारी के मुताबिक, सिटी कोतवाली अंतर्गत शहर के कंपनी बाग में प्रदीप प्रिंटर्स के नाम से प्रिंटिंग प्रेस चलाने वाले रोहित जैन पिता प्रदीप जैन (34) निवासी कृष्णा कॉलोनी पर गुरुवार की शाम 6 से अधिक लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना में प्रिंस और अजहर समेत उनके 4 अन्य साथियों के नाम सामने आए हैं।

घायल रोहित जैन ने बताया कि गुरुवार को शाम के वक्त वह प्रेस से निकल कर पार्क की तरफ

जा रहा था, तभी प्रिंस और अजहर अपने साथियों समेत वहां आ पहुंचे। उन्होंने रोहित का रास्ता रोक लिया और अदालत में बयान पलटने के लिए कहने लगे। रोहित ने इससे इंकार कर दिया तो सभी लोग लाठी-डंडे से उसकी पिटाई करने लगे।

रोहित ने शोर मचाया तो प्रिंटिंग प्रेस में रहे उसके पिता तथा अन्य स्थानीय लोग वहां आ पहुंचे और उन्होंने रोहित को हमलावरों के चंगुल से छुड़ाया। तब तक रोहित बुरी तरह घायल हो चुका था लिहाजा उसे जिला अस्पताल ले आया गया।

रोहित ने बताया कि कुछ समय पहले प्रिंस ने उसके प्रिंटिंग प्रेस में पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी थी। इस मामले में पुलिस ने प्रिंस को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वह प्रकरण अभी अदालत में विचाराधीन है। प्रिंस चाहता था कि रोहित उसमे अपने बयान बदल दे लेकिन रोहित ने उससे इंकार कर दिया जिससे नाराज हो कर उसने हमला कर दिया। सिटी कोतवाली पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

लोकसभा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी 30 दिवस के अंदर प्रस्तुत करें व्यय लेखा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 78 के अनुसार चुनाव परिणाम की घोषणा हो जाने के उपरांत 30 दिवस के अंदर निर्वाचन व्यय लेखा के बिल, व्हाउचर की मूल प्रति जिला निर्वाचन कार्यालय का उपलब्ध करानी होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने लोकसभा निर्वाचन 2024 में संसदीय क्षेत्र क्रमांक 9 सतना से चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों को 4 जुलाई को दोपहर 2 बजे तक व्यय लेखा की मूल प्रति, जारी समस्त अनुमतियां, शपथ पत्र, अपडेटेड बैंक पासबुक, स्टेटमेंट की फोटोकॉपी की हस्ताक्षरित प्रति जिला निर्वाचन कार्यालय सतना को उपलब्ध कराने के लिये कहा है।

इस संबंध में अंतिम तारीख के पहले 27 जून को दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अभ्यर्थियों, उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं एवं व्यय लेखा प्राप्त करने में संलग्न कार्मिकों की प्रशिक्षण बैठक आयोजित की गई है। इसी प्रकार 30 जून को दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में लेखा समाधान की बैठक आयोजित की गई है। संबंधितों से बैठक में उपस्थित रहने की अपेक्षा की गई है।

गिधैला सचिव को 3 दिवस के अंदर मृत्यु की राशि का भुगतान करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अपर कलेक्टर मैहर शैलेंद्र सिंह ने ग्राम पंचायत गिधैला के सचिव ओमप्रकाश पटेल को विजयलक्ष्मी कुदेर की मृत्यु उपरांत अंत्येष्टि सहायता के लिये पंचायत कोष से निकाली गई राशि का भुगतान मृतक के नामित को 3 दिवस के अंदर करने के निर्देश दिये हैं। अपर कलेक्टर ने बताया कि विजय लक्ष्मी कुदेर की दिनांक 18 नवंबर 2023 की मृत्यु उपरांत पंचायत कोष से निकाली गई 5000 रुपये की राशि मृतक के नामित को प्रदान की जानी थी। लेकिन सचिव ओमप्रकाश पटेल द्वारा अंत्येष्टि सहायता राशि का भुगतान नहीं किया गया। इसी प्रकार मनोज कुमार कोल की पत्नी का नाम संबल योजना में पंजीकृत होने के बावजूद भी अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान नहीं करने के संबंध में जारी कारण बताओ नोटिस का दिया गया जवाब समाधानकारक नहीं पाया गया है। जिसके फलस्वरुप सचिव ओमप्रकाश पटेल को का अंतिम अवसर प्रदान करते हुये तीन दिवस के अंदर भुगतान करने के लिये निर्देशित किया गया है।

महाराणा प्रताप जयंती पर निकलेगा शौर्य यात्रा

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मानित किया जाएगा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती 9 जून रविवार को सतना में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। रॉयल राजपूत संगठन के तत्वावधान में इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक - सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे,शहर में शौर्य यात्रा निकलेगी और उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान किया जाएगा।

रॉयल राजपूत संगठन के जिलाध्यक्ष नीरज सिंह भाद ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महाराणा प्रताप जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर संगठन

के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण सिंह समेत रज्जू सिंह, बुद्धिमान सिंह, प्रवीण सिंह पिद्धू, प्रसेनजीत सिंह तोमर पिक्की, सुरेश सिंह जाखी भी मंचासीन रहे।

जिलाध्यक्ष नीरज सिंह ने बताया कि हिंदुस्तान के स्वाभिमान के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप महाराज की जयंती पर प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 9 जून रविवार को भव्य शौर्य यात्रा निकाली जाएगी। रीवा रोड हवाई पट्टी मोड़ पर स्थापित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दोपहर साढ़े 3 बजे शौर्य यात्रा शुरू की जाएगी।

नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए यात्रा सुभाष पार्क पहुंचेगी जहां मंचीय कार्यक्रम के साथ यात्रा का समापन होगा। सुभाष पार्क में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां होंगी। सामाजिक एकता एवं समाज के उत्थान पर सामाजिक बंधु अपने विचार साझा करेंगे और उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शौर्य यात्रा में सभी सामाजिक बंधु पारंपरिक वेश भूषा में शामिल होंगे।

जिलाध्यक्ष नीरज सिंह ने बताया कि रॉयल राजपूत संगठन पीड़ित मानवता की सेवा में सदैव अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। इसी कड़ी में संगठन एक एम्बुलेंस सेवा शुरू करने के लिए प्रयासरत है। इसमें सामाजिक बंधुओं का सहयोग भी मिल रहा है। उन्होंने सभी से शौर्य यात्रा में शामिल होकर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के त्याग-बलिदान का पुण्य स्मरण करने का आग्रह किया है।

प्री-एग्रीकल्चर प्रवेश परीक्षा आज से

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा प्री-एग्रीकल्चर प्रवेश परीक्षा 8 और 9 जून को ऑनलाइन आयोजित की गई है। सतना जिले में प्रवेश परीक्षा मां मीरा कॉन्वेंट हायर सेकण्डरी स्कूल डेलौरा सतना में दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली के प्रश्न पत्र की परीक्षा प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक ली जायेगी। प्रथम पाली के परीक्षार्थियों को प्रात: 7 बजे से 8 बजे तक तथा दूसरी पाली के परीक्षार्थियों को दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश कर लेने को कहा गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अनुराग वर्मा द्वारा परीक्षा के सुचारु संचालान के लिये परीक्षा की गतिविधियां पर निगरानी और शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा संपन्न के लिये जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल गठित कर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।